राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-7490923915

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 14 अक्टूबर 2024 वर्ष–7,अंक–262 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

रावण दहन करते समय हुआ बैकफायर, सांसद पप्पू यादव के पेट में घुसा रॉकेट

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में दशहरे पर रावण दहन के दौरान एक हादसा हो गया जिसमें पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव विजयादशमी पर रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। रावण दहन के लिए पप्पू यादव ने जैसे ही पटाखे में आग लगाई तो रॉकेट से बैकफायर हुआ और उनके पेट में घुस गया, जिससे पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। वह बाल-बाल बच गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ, लेकिन पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पप्पू यादव के हाथ में पटाखा जलता हुआ देखा जा सकता है। उनके साथ पुलिस अधिकारी भी पटाखे को हाथ में पकड़े हैं तभी अचानक वह रॉकेट से बैकफायर हो जाता है और पप्पू यादव के पेट पर जाकर लगता है और उनकी शर्ट में आग लग जाती है। इस दौरान लोग पप्पू यादव को बचाने की कोशिश करते हैं। उनकी आंखों को हाथों से ढंकते हैं। हालांकि पप्पू यादव उस पटाखे को छोड़ते नहीं हैं। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई हो रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ज्ञानव्यापी-लार्ड विश्वेश्वरनाथ मामले में 16 अक्टूबर को सुनवाई

- एएसआई अतरिक्त सर्वे पर पेश होनी थी दलील, मुस्लिम पक्ष ने दर्ज करा चुका आपत्ति

वाराणसी । वाराणसी के ज्ञानव्यापी से जुड़े 1991 के मूल वाद में गुरुवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन/फास्ट ट्रैक कोर्ट युगल शंभू की अदालत में 16 अक्टूबर को सुनवाई होगी। लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी द्वारा सम्पूर्ण परिसर में एएसआई के अतिरक्त सर्वे की मांग की याचिका पर 8 अक्टूबर को मुस्लिम पक्ष ने अपनी आपत्ति दाखिल की थी। विजय शंकर रस्तोगी की याचिक पर अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में अपनी बहस पूरी कर ली है। मसाजिद कमेटी के वकील ने कोर्ट में बताया था कि ज्ञानव्यापी स्थित वजूखाना सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सील है। हाईकोर्ट में एएसआई ने शपथ पत्र देकर कहा था कि वो परिसर में खोदाई करके मौजूदा ढांचें को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

कोलकाता रेप-मर्डर: एक और डॉक्टर की हालत गंभीर

- भूख हड़ताल से कुल 3 डॉक्टर अस्पताल में भर्ती

कोलाकाता । कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में 6 अक्टूबर से अनशन पर बैठे ट्रेनी डॉक्टरों में से 1 और डॉक्टर की हालात गंभीर हो गई है। हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों ने बताया कि उनके साथी डॉ. अनुस्तुप मुखर्जी को शनिवार रात को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रोटेस्ट कर रहे एक डॉक्टर ने बताया कि मुखर्जी के स्टूल से खून आ रहा था। उन्हें पेट में तेज दर्द की भी शिकायत थी। 3 डॉक्टरों की हालत बिगड़ने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि सरकार हमारी सभी मांगें नहीं मान रही है। इससे पहले शनिवार शाम को नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज में भूख हड़ताल पर बैठे डॉक्टर आलोक वर्मा की हालत बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं 10 अक्टूबर को ट्रेनी डॉक्टर अनिकेत महतो को आरजी कर अस्पताल के सीसीयू में भर्ती कराया गया था। दरअसल, आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मेडिकल कॉलेज में मिली थी। इसके अगले दिन से जूनियर डॉक्टरों ने 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन किया था। राज्य सरकार ने डॉक्टरों की मांगें नहीं मानी। जिसके चलते डॉक्टरों ने 5 अक्टूबर की शाम से भूख हड़ताल शुरू की। इसमें कुल 10 डॉक्टर शामिल हैं।

चिनाब घाटी में भूकंप के झटके, 4.3 तीव्रता दर्ज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा स्थित चिनाब घाटी में रविवार सुबह 6.14 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.3 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र डोडा जिले के गुंडोह इलाके में था। पिछले कुछ सालों से चिनाब घाटी में लगातार भूकंप आ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी हल्की तीव्रता वाले भूकंपों से दबाव निकलता है और किसी बड़े भूकंप की आशंका कम हो जाती है।

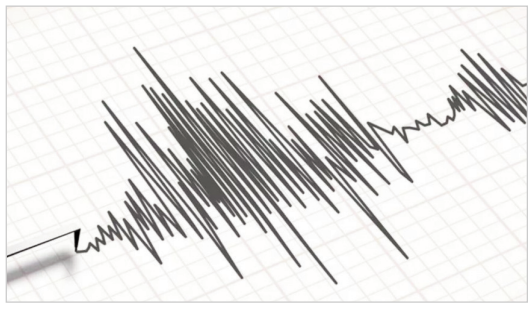

इजरायल-हमास जंग की आग में कौन-कौन झुलसेंगे ये चिंता का विषय है: मोहन भागवत

आरएसएस की स्थापना दिवस पर मोहन भागवत ने चेताया

नागपुर।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी के मौके पर आज महाराष्ट्र के नागपुर में रेशम बाग मैदान में शस्त्र पूजन किया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्वंयसेवकों को संबोधित करते हुए देश और दुनिया से जुड़े कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा कि इजरायल-हमास जंग की आग में कौन-कौन झुलसेंगे और इसकी चपेट में कौन-कौन आएगा पूरा विश्व इससे चिंतित है। मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में भारत की साख बढ़ी है। जम्मू-कश्मीर के चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं। दुनिया में ऐसे देश हैं, जो इस तरह की चाल चलेंगे कि भारत आगे नहीं बढ़े, वो भारत को रोकना चाहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पहले जैसा आपस में अब युद्ध करना आसान नहीं है। मंत्र विप्लव चल रहा है। ऐसी स्थिति में उनको देश के अंदर ऐसे साथी मिल जाते हैं। भारत के चारों ओर, विशेषकर सीमावर्ती प्रातों में क्या-क्या हो रहा है ये हम देख सकते हैं। समय पर हमको जगना है। मोहन भागवत ने कोलकाता रेप-मर्डर मामले का जिक्र करते हुए कहा, आरजी कर अस्पताल में लज्जाजनक घटना हुई। जैसे वहां समाज के लोग खड़े हो गए डॉक्टर लोगों के साथ लेकिन होने के बाद जिस तरह से वहां टालमटोल का प्रयास हुआ ये राजनीति के अपराधीकरण का प्रमाण है। आरएसएस चीफ ने आगे कहा कि भारत आगे ना बढ़े ऐसा चाहने वाली शक्तियां भी हैं। तरह-तरह की चालें वो चलेंगे, अभी तक भारत छोड़कर बाकी विश्व ने अपने स्वार्थ छोड़कर बलि देने का मार्ग नहीं चुना है। बांग्लादेश में क्या हुआ? उत्पात के कारण वहां के हिन्दू समाज पर अटैक हुआ। हिन्दू पर अत्याचार हुआ, हिन्दू वहां अपने बचाव के लिए सड़क पर आया। कट्टरपंथी जब तक हैं, तब तक अल्पसंख्यकों के ऊपर अत्याचार होगा, हिन्दू को सोचना होगा कि अगर हम दुर्बल हैं और असंगठित है तो गलत है। जहां हैं वहां संगठित रहो, हिंसक मत बनो, लेकिन दुर्बल नहीं रहना है।भागवत ने आगे कहा कि बांग्लादेश में ऐसी चर्चाएं चलती हैं कि भारत से खतरा है इसलिए पाकिस्तान को साथ लेना है। ये चर्चाएं कौन करा रहा है, ये किन-किन देशों के हित की बात है। भारत बड़ा बनेगा तो स्वार्थ की दुकानें बंद हो जाएंगी। मोहन भागवत ने कहा कि हम देख रहे हैं कि भारत वर्ष में इस प्रकार मन वचनों पर कुप्रभाव हो रहा है। कोई बात छिपती नहीं है। बच्चों के हाथ पर भी मोबाइल है। वो क्या देख रहे हैं इस पर किसी का नियंत्रण नहीं है। इस पर नियंत्रण करना घर परिवार और विधि व्यवस्था पर भी जरूरी है। इसके कुपरिणाम भी हैं। कई जगह युवा पीढ़ी नशे के जाल में फंस रही है। एक द्रौपद्री के वस्त्र का हरण हुआ, महाभारत हो गया। सीता हरण हुआ रामायण हो गया। आरजी कर अस्पताल में क्या हुआ वो लज्जित करने वाला हो गया है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। होने के बाद भी वहां जिस तरह की टालमटोली हुई वो अपराध और राजनीति के गठबंधन को दिखाता है।

पीएम गति शक्ति से देश अब विकसित भारत के सपने को पूरा करने आगे बढ़ रहा

- इस पहल को तीन साल पूरे, पीएम मोदी ने की प्रयासों की सराहना

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च की गई पीएम गति शक्ति पहल के आज रविवार को तीन साल पूरे हो गए। इस अवसर पर पीएम मोदी ने इसके भारत के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव को लेकर महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने पीएम गति शक्ति के जरिए से भारत के बुनियादी ढांचे को स्मार्ट और एकीकृत बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- गति शक्ति की बदौलत देश अब विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ाया है, जिससे सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ। इस पहल के तहत कई क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स को सुधारने, देरी को कम करने और नए अवसरों को पैदा करने के लिए मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया है। इससे कई परियोजनाओं की कार्यान्वयन गति में सुधार हुआ है और भारत के विकास की दिशा को तेज किया गया है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी ट्वीट कर लिखा- आज पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को तीन साल पूरे हो गए हैं। इस पहल ने लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित किया और कनेक्टिविटी को बढ़ाया है, जिससे परियोजनाओं की गति में तेजी आई और यह एक आधुनिक, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे के नेटवर्क के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। पीएम गति शक्ति पहल के तहत देश में बुनियादी ढांचे को और सशक्त बनाने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं, जिससे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में नया विश्वास और गति आई है।

प्रयागराज महाकुंभ में 71 दलित संत महामंडलेश्वर बनेंगे

-हिन्दुओं को बौद्ध, ईसाई बनने से रोकेंगे, मंदिर-मठ की जिम्मेदारी मिलेगी

लखनऊ। 2025 में प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी-एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी-अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है।

देश में 13 अखाड़ों को मान्यता

मान्यता प्राप्त 13 अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन 2016 में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है। फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है। ये तीनों संप्रदाय अलग-अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन-तीन अखाड़े हैं।

दशहरा मेले में बाउंसरों ने किसान की पगड़ी उतारी, स्टेज से नीचे गिराया, हंगामा

पंजाबी गायक सिद्दू को शो छोड़कर भागना पड़ा, माहौल तनावपूर्ण

खन्ना।

पंजाब के खन्ना के ललहेड़ी में दशहरा मेले में हंगामा हो गया। यहां पंजाबी गायक गुलाब सिद्धू के शो को बीच में ही रोकना पड़ा। स्टेज पर मौजूदर बाउंसरों ने एक किसान की पगड़ी उतार दी। किसान और उसके बेटे को धक्के मारकर स्टेज से नीचे गिराया दिया। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया।

जानकारी के मुताबिक किसान और उसके बेटे को ही गायक सिद्दू के स्टेज पर जाने से रोका गया। जब उन्होंने कहा कि वे जमीन के मालिक हैं तो बाउंसरों ने गुंडागर्दी शुरू कर दी। बुजुर्ग किसान को धक्का मारे लगे तो बेटे ने विरोध

किया तो उसे भी धक्के मारे। बाउंसरों ने किसान की पगड़ी उतार दी और उसके बेटे समेत धक्के मारकर स्टेज से नीचे गिरा दिया। इस घटना के बाद किसान के साथ आए उसके साथी लोगों की भीड़ के बीच में ट्रैक्टर लेकर स्टेज के पास पहुंच गए। जिसके बाद गुलाब सिद्धू को शो रोकना पड़ा। हालात बिगड़ते देख गुलाब सिद्धू शो छोड़कर वहां से निकल गए। उनकी कई गाड़ियां को भी नहीं जाने दिया। सूचना मिलने के बाद एसएसपी अश्विनी गोत्याल समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंच गए। किसान और उसके परिवार के लोग मांग कर रहे हैं कि बाउंसरों खिलाफ केस दर्ज किया जाए। एसपी ने कहा कि दोनों पक्षों को बुलाकर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा। जो भी कार्रवाई होगी की जाएगी।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामला : महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

पवार और उद्धव बोले- सरकार को बदलना चाहिए

मुंबई।

मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या पर अब राजनीति गर्माने लगी है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने हत्या मामले में जहां महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं तो वहीं नेताद्वय ने इस घटना को लेकर शिंदे सरकार को बदलने की बात तक कह डाली है। मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने इस हत्या मामले को लेकर सीधे शिंदे सरकार पर हमला बोला है और महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। एनसपी नेता पवार ने कहा है, कि महाराष्ट्र को सबसे अच्छे प्रशासन वाले राज्य के रूप में देश में जाना जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार अच्छा प्रबंधन नहीं कर पा रही है। पिछली तीन कैबिनेट में जो फैसले लिए गए, अगर उन्हें ही देख लें तो आखिर कितने फैसलों पर अमल किया जा सका है? इसी से महाराष्ट्र के प्रशासन की स्थिति आज आपको समझ में आ जाएगी। वहीं उद्धव ठाकरे ने शिंदे सरकार पर निशाना साधा और कहा, कि कल ही मैंने रैली में कहा था कि इस विधानसभा चुनाव में मौजूदा भ्रष्ट सरकार को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि मुंबई में दो पुलिस कमिश्नर हैं तो कम से कम मुंबई को सुरक्षित भी रखें। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस का क्या काम है? उन्होंने कहा कि इस मामले में गृहमंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस मामले को लेकर देवेंद्र फड़णवीस ने बयान दिया है और कहा है कि यदि गाड़ी के नीचे कुत्ता आ जाए तो आप मुझसे इस्तीफा मांगने लगेंगे, ऐसे लोग सत्ता पर कैसे हो सकते हैं? उन्होंने कहा कि विज्ञापन पर खर्च होने वाला धन लोगों की भलाई के लिए खर्च किया जाना चाहिए। अब चूंकि महाराष्ट्र में अनकरीब विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, अतः शिंदे सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना भी लाजमी है।

जयपुर में बिना ड्राइवर के सड़क पर दौड़ी जलती कार

- एमजी हेक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, बचने के लिए मची अफरा-तफरी

जयपुर ।

जयपुर में बिना ड्राइवर के आग से घिरी एमजी हेक्टर कार सड़क पर दौड़ी। कार ने बाइक को टक्कर मार दी। लोग अपनी गाड़ियों को बचाते नजर आए। आखिरकार कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। यह घटना एलिवेटेड रोड पर अजमेर से सोडाला की ओर उतरते समय की है। कार जितेंद्र जांगिड़ चला रहा था। जो मानसरोवर की पत्रकार कॉलोनी स्थित दिव्य दर्शन अपार्टमेंट में रहता है। जितेंद्र ने साल 2021 में कार खरीदी थी। जितेंद्र ने बताया` कि करीब 1.45 बजे एलिवेटेड रोड से उतरने के दौरान एसी से धुआं उठने लगा था। भाई को कॉल किया तो उसने कार का बोनट खोलकर देखने के लिए कहा। कार से नीचे उतरकर बोनट खोलकर देखा तो आग लग रही थी। इस दौरान लोग इकट्ठा हो गए। मैंने ऑटोमैटिक कार को साइड में रोककर हैंड ब्रेक लगा दिया और मेटिंग हटाई। चारों खिड़कियां खोलकर नीचे उतरा तब तक बोनट से आग भभक उठी। आस-पास लोग इकट्ठा हो गए। इस बीच किसी ने फायर बिग्रेड को सूचना दे दी। आग से वायरिंग जलकर खाक हो गई, जिससे ऑटो हैंड ब्रेक फेल हो गए। कार का एक टायर भी फूट गया। लोगों ने कार की आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि आग तेजी से बढ़ गई। आग लगने से कार का हैंड ब्रेक खराब हो गया। ऐसे में कार एलिवेटेड रोड की ढलान पर चलने लगी। इसी दौरान कार के आगे एक बाइक खड़ी थी। उसे टक्कर मारते हुए कार आगे बढ़ गई। फायर ऑफिसर ने कहा कि कार में आग लगने की जानकारी मिलने पर 22 गोदाम से एक दमकल रवाना की गई। मौके पर देखा तो कार से आग की लपटें निकल रही थीं। आग को कंट्रोल किया तब तक कार पूरी तरह से खाक हो गई थी। कार में रखा हुआ सामान भी जल चुका था।

महान गणितज्ञ रॉबर्ट सिमसन

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(जन्म दिवस 14अक्टूबर पर विशेष)

रॉबर्ट सिमसन एक स्कॉटिश गणितज्ञ थे, जिनका जन्म 14 अक्टूबर 1687 वेस्ट किलब्राइड, आयरशायर, स्कॉटलैंड में हुआ जो त्रिभुज की सिमसन रेखा के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते थे, हालाँकि वे इसके पहले खोजकर्ता नहीं थे। रॉबर्ट सिमसन जॉन सिमसन और एग्नेस सिमसन (नी सिमसन) के सबसे बड़े बेटे थे। सिमसन की माँ के 17 बच्चे थे, सभी लड़के थे, जिनमें से केवल छह ही वयस्क हो पाए। सिमसन ने 3 मार्च 1702 को एक छात्र के रूप में ग्लासगो विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, उस समय उनकी आयु 14 वर्ष थी, और उन्होंने रीजेंट जॉन ट्रान के अधीन अध्ययन किया। उन्होंने क्लासिक्स, प्राच्य भाषाओं और वनस्पति विज्ञान में खुद को प्रतिष्ठित किया। उनके पिता का इरादा था कि रॉबर्ट चर्च में प्रवेश करें, और यह केवल संयोग से हुआ कि उनकी रुचि गणित में बदल गई। धर्मशास्त्र के छात्र के रूप में उन्हें अपने शिक्षकों के लिए लिखित कार्य तैयार करने की आवश्यकता थी। यह उन्हें असंतोषजनक लगा, क्योंकि उन्हें लगा कि तर्क अनिर्णायक और अटकलबाज़ी वाले थे। मनोरंजन के लिए उन्होंने सबसे पहले प्राच्य भाषाविज्ञान पर एक पुस्तक पढ़ी, जहाँ उन्हें ऐसे कथन मिले जिन्हें सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता था, लेकिन यह पूरी तरह से संतोषजनक नहीं था और उस स्तर पर उन्होंने गणित और यूक्लिड के तत्वों का सहारा लिया। फिर उन्होंने गणित का गंभीरता से अध्ययन करने के लिए काम करना शुरू किया, लेकिन उन्हें यह अपने आप ही करना पड़ा, क्योंकि उस समय, किसी कारण से, प्रोफेसर रॉबर्ट सिंक्लेयर द्वारा इस विषय पर कोई व्याख्यान नहीं दिया गया था। ग्लासगो में एक छात्र के रूप में अपने पहले वर्ष के दौरान रॉबर्ट सिमसन एक दिलचस्प घटना में शामिल थे, जो दर्शाता है कि संसदों के संघ से पहले भी, स्कॉटिश और साथ ही अंग्रेजी छात्रों ने 5 नवंबर को आतिशबाजी के साथ मनाया था। उस रात एक बंद कमरे से बाहर निकलते समय रॉबर्ट को एक साथी छात्र आर्थर ट्रान की पिस्तौल से गोली लगने से चेहरे पर चोट लग गई, जो अन्य छात्रों के एक समूह के साथ पिस्तौल से फायर कर रहा था और स्क्रब छोड़ रहा था। उन्हें संकाय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ ट्रान ने माना कि उसने पिस्तौल चलाई थी, और उसने कहा था कि वह इसे किसी बूढ़ी औरत की पीठ में मार देगा। ट्रान पर खुद आधा क्राउन का जुर्माना लगाया गया, उसके दोस्तों पर कम जुर्माना लगाया गया और कॉमन हॉल में सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई गई। ट्रान शायद रीजेंट जॉन ट्रान का बेटा था। आम तौर पर यह माना जाता है कि रॉबर्ट सिमसन ने 1710 तक लगभग आठ साल की अवधि के लिए एक छात्र के रूप में विश्वविद्यालय में भाग लिया, यह उस समय अध्ययन की एक असामान्य अवधि नहीं थी। 1710 में प्रोफेसर रॉबर्ट सिंक्लेयर ने इस्तीफा दे दिया, और सिमसन को कुर्सी की पेशकश की गई। वह इसे तुरंत स्वीकार करने के लिए अनिच्छुक थे, और उन्होंने लंदन में कुछ समय बिताने की अनुमति मांगी, जहाँ उन्हें इंग्लैंड के कुछ सबसे प्रतिष्ठित गणितज्ञों से परिचित होने का अवसर मिल सकता था। यह मंजूर हो गया और वह तुरंत लंदन चले गए जहाँ उनकी मुलाकात कई जाने-माने गणितज्ञों से हुई, जैसे एडमंड हैली, जॉन कैसवेल (मृत्यु 1712), ऑक्सफोर्ड में ज्यामिति के सेविलियन प्रोफेसर, विलियम जोन्स और अंत में हम्फ्री डिट्टन (1675-1715), क्राइस्ट हॉस्पिटल में गणितीय मास्टर, जिनके साथ सिमसन विशेष रूप से मित्रवत थे। लंदन में रहते हुए उन्हें बताया गया कि 8 मार्च 1711 के फैकल्टी मिनट द्वारा उन्हें ग्लासगो चेयर के लिए नामित किया गया था, बशर्ते कि वह अपने प्रवेश से पहले गणित में अपने कौशल का संकाय को संतोषजनक प्रमाण दें। वह ग्लासगो लौट आए, जहाँ 10 नवंबर 1711 को उन्हें हल करने के लिए दो ज्यामितीय समस्याएँ दी गईं। इन विषयों को उन्होंने संकाय की संतुष्टि के अनुसार निपटाया जिसके बाद उन्होंने गणित में अपने कौशल और ज्यामिति तथा बीजगणित पढ़ाने में निपुणता का संतोषजनक नमूना पेश किया, उन्होंने ऑक्सफोर्ड में खगोल विज्ञान के प्रोफेसर श्री कैसवेल और लंदन में गणित में कुशल अन्य लोगों से पर्याप्त प्रशंसापत्र भी प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर संकाय ने उन्हें इस तत्काल नवंबर के उन्नीसवें दिन प्रवेश देने का निर्णय लिया। अपने प्रवेश से तीन दिन पहले उन्होंने कला में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। जब वे इंग्लैंड में थे, तब एडमंड हैली ने उन्हें सुझाव दिया कि वे अपनी काफी प्रतिभा को यूक्लिड और पेर्गा के अपोलोनियस जैसे प्रारंभिक ग्रीक ज्यामितिज्ञों के काम को जारी रखें । ये ऐसे कार्य हैं जो केवल बाद के गणितज्ञों जैसे कि अलेक्जेंड्रिया के पप्पस द्वारा दिए गए संक्षिप्त विवरणों में प्रकाशित था । उन्होंने सबसे पहले यूक्लिड के तथाकथित पोरिज्म का अध्ययन किया। प्लेफेयर की 1792 में दी गई पोरिज्म की परिभाषा 70 से ज्यादा अलग-अलग संस्करण, संशोधन या अनुवाद 1756 में पहली बार ग्लासगो में प्रकाशित हुए, जबकि अन्य ग्लासगो, एडिनबर्ग, डबलिन, लंदन, कैम्ब्रिज, पेरिस और कई अन्य यूरोपीय और अमेरिकी शहरों में प्रकाशित हुए। हाल के संस्करण 1933 में लंदन और टोरंटो में इसहाक टॉडहंटर के संपादन में और 1944 में साओ पाओलो में प्रकाशित हुए। सिमसन के व्याख्यान लैटिन में दिए गए थे, कम से कम उनके करियर की शुरुआत में। उनके सबसे महत्वपूर्ण लेखन उसी भाषा में लिखे गए थे, हालाँकि, लैटिन में इसके पहले प्रकाशन के बाद यूक्लिड का उनका संस्करण अंग्रेजी में प्रकाशित हुआ, जैसा कि उन्होंने अपने छात्रों के लाभ के लिए शंकु वर्गों पर एक ग्रंथ लिखा था। एक ज्यामितिज्ञ के रूप में उनकी प्रतिष्ठा हमेशा बहुत ऊँची रही है, हालाँकि, एक आलोचक के रूप में उन्होंने लिखा सिमसन ने पाठ को उसकी मूल सटीकता पर बहाल करने के लिए जो परिवर्धन और परिवर्तन किए, वे निश्चित रूप से उनमें से सभी सुधार नहीं हैं, और उनके द्वारा जोड़े गए नोट्स दिखाते हैं कि वे प्राचीन काल के महान ज्यामितिज्ञों को किस श्रद्धा से देखते थे। कुछ लोगों का मानना था कि अपने प्रयासों को केवल एक संपूर्ण पाठ की प्राप्ति तक सीमित करके, उन्होंने अपने विषय की अधिक उपयोगी व्याख्या के लिए अपनी प्रतिभा और अंतर्दृष्टि को लागू करने का अवसर खो दिया। सिमसन के लिए गणितीय तर्क प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा साधन ज्यामिति था और, हालाँकि वे बीजगणित और अनंत कलन में हाल के विकास से परिचित थे, फिर भी जहाँ भी संभव हो, उन्होंने खुद को ज्यामितीय शब्दों में व्यक्त करना पसंद किया। बेशक, वे इसमें अकेले नहीं थे, क्योंकि न्यूटन ने भी अपने प्रिंसिपिया को लिखते समय यही दृष्टिकोण अपनाया था। सिमसन का काम ग्रीक ज्यामिति तक सीमित नहीं था, यह ट्वीडल के पेपर से स्पष्ट होता है, जिसमें उन्होंने सिमसन की एक प्रारंभिक पांडुलिपि पर चर्चा की है, जो व्युत्क्रम स्पर्शरेखा श्रृंखला और π की गणना में उनके उपयोग से संबंधित है। पचास वर्षों तक सिमसन ने अपनी दो मुख्य कक्षाओं में सत्र के दौरान सप्ताह में पाँच दिन व्याख्यान दिया। सभी खातों से वे एक अच्छे व्याख्याता थे, हालाँकि अपने जीवन के अंत में वे अपने युवा दिनों की तुलना में बेहतर थे, जब उनकी अनुपस्थिति ने उन्हें व्यावहारिक चुटकुलों का शिकार बना दिया। उनके कई शिष्यों ने गणित में उत्कृष्टता हासिल की, विशेष रूप से मैकलॉरिन, स्टीवर्ट, जॉन रॉबिसन जो एडिनबर्ग और ट्रेल विश्वविद्यालय में प्राकृतिक दर्शन के प्रोफेसर बन गए। सिमसन एक अच्छे दिखने वाले व्यक्ति थे, लंबे कद के और हल्के रंग के कपड़े पसंद करते थे। वह अविवाहित थे और इसलिए कॉलेज में उनके पास जो विशाल घर था, उसका उन्हें कोई उपयोग नहीं था, लेकिन वे वहीं कमरों में रहते थे। उन्होंने अपना सारा खाना, जिसमें नाश्ता भी शामिल था, कॉलेज के गेट के सामने एक छोटी सी सराय में खाया, जिसे श्रीमती मिलर चलाती थीं। उन्हें आगंतुकों को कॉलेज के चारों ओर दिखाने में खुशी होती थी और एंटोनिन वॉल और उसके आस-पास से आने वाले रोमन पुरावशेषों के विशाल संग्रह के बारे में उन्हें बहुत जानकारी थी। रेवरेंड अलेक्जेंडर कार्लाइल के अनुसार उन्हें महिलाओं की संगति से विशेष रूप से परहेज था, और साल में एक दिन को छोड़कर, जब वे प्रिंसिपल कैंपबेल के यहाँ चाय पीते थे और अपनी बेटी मैली के साथ उल्लास और सहजता से बातचीत करते थे, जो हमेशा उनकी पहली पसंद होती थी, वे कभी भी महिलाओं के साथ नहीं रहते थे। कहा जाता है कि युवावस्था में उनके साथ ऐसा नहीं था, और वह एक महिला से बहुत जुड़े हुए थे, जिसके सामने उन्होंने प्रस्ताव रखा था, लेकिन जब उसने मना कर दिया तो वह सेक्स से घृणा करने लगे। मेरे परिवार से परिचित होने से पहले ही वह महिला मर चुकी थी, लेकिन मैं उसके पति को जानता था, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अपनी पसंद में महिला ने हाइपरियन के बजाय सैटायर को प्राथमिकता दी थी। सिमसन एक मिलनसार व्यक्ति थे। शुक्रवार की शाम को वह पास के एक सराय में एक क्लब में दोस्तों से मिलते थे, जहाँ वह क्विस्ट खेलते थे, एक ऐसा खेल जिसमें वह माहिर थे। इसके बाद बातचीत और गायन का दौर चलता था। उन्हें समकालीन संगीत पर सेट ग्रीक ओड्स गाने का शौक था। हर शनिवार को वह अकेले या साथ में, पास के गांव एंडरस्टन में एक सराय में जाते थे, जहाँ वह अपने खास दोस्तों और ग्लासगो के किसी भी आगंतुक की मेजबानी करते थे, जिन्हें उन्होंने अपने साथ खाने के लिए आमंत्रित किया था। वह एक बहुत ही व्यवस्थित व्यक्ति थे और कॉलेज के बगीचे और अन्य जगहों पर रोजाना टहलते हुए, वह एक जगह से दूसरी जगह तक के कदमों की संख्या गिनते थे। रॉबर्ट सिमसन क्लर्क (जिसे बाद में सीनेट के क्लर्क के रूप में जाना जाता था) के पद पर नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति थे, जिसे उन्होंने 1728 में संभाला और 1761 में सेवानिवृत्त होने के बाद ही पद छोड़ा। 1761 में वे पचास वर्षों तक इस पद पर रहने के बाद सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अपनी मृत्यु तक टॉवर में अपने कमरे रखे, लेकिन अपना कॉलेज हाउस छोड़ दिया, जिसमें वे कभी नहीं रहे थे। अपनी मृत्यु से कुछ साल पहले तक सिमसन अच्छे स्वास्थ्य में रहे, जिस अवधि के दौरान उन्हें अपने ज्यामितीय लेखन को संशोधित करने में सहायता के लिए एक लिपिकार को नियुक्त करना पड़ा।

संपादकीय

आत्म मंथन का वक्त

हरियाणा में वापसी को लेकर बनी बड़ी उम्मीदों के बीच आए अप्रत्याशित चुनाव परिणामों से निश्चय ही कांग्रेस पार्टी सांसत में है। पार्टी का केंद्रीय व राज्य नेतृत्व स्तब्ध है कि आखिर ये क्या और कैसे हुआ। भले ही पार्टी ईवीएम व चुनाव प्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर रही है, लेकिन इसके बावजूद उसे हरियाणा में शिकस्त और जम्मू-कश्मीर में निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेना चाहिए। निश्चय ही इस प्रदर्शन ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की स्थिति को कमजोर कर दिया है। यहां तक कि इंडिया गठबंधन में घटक दलों द्वारा बयानबाजी का दौर तेज हुआ है। वे कांग्रेस के अति आत्मविश्वास को विफलता की वजह बता रहे हैं। निस्संदेह, लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की यह सबसे पुरानी पार्टी पिछले दो आम चुनावों की तुलना में बेहतर स्थिति में नजर आई थी। पार्टी को लोकसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिली थी। वहीं पार्टी के युवा तुर्क राहुल गांधी खासे मुखर थे। लेकिन आठ अक्तूबर के नतीजे के बाद स्थितियां बदल गई हैं। इसके कुछ सहयोगियों, जैसे कि शिव सेना-यूबीटी, सीपीआई और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को आगामी विधान सभा चुनावों के लिये आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दी है। साथ ही अपनी आगामी रणनीति की समीक्षा करने की सलाह भी दी है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सीट बंटवारे की बातचीत फिलहाल अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी कांग्रेस इस बदले हालात में सीटों के बंटवारे के लिये बेहतर सौदेबाजी करने का अवसर महसूस कर रही हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने गठबंधन के सहयोगियों को तुरंत याद दिलाया है कि उसने इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसने जिन 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से तेरह पर जीत हासिल की थी। बहरहाल ऐसे तर्कों के बावजूद कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में की गई चूकों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके कई फैसलों को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। गठबंधन में शामिल आप के साथ तालमेल करने के बजाय अकेले चुनाव लड़ना सवालों के घेरे में रहा है। यद्यपि हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन पार्टी द्वारा हासिल 1.79 वोट शेयर ने भाजपा और कांग्रेस में कांटेदार टक्कर के बीच नतीजों पर कुछ असर तो डाला ही है। भले ही कांग्रेस आलाकमान अपने फैसलों को लेकर तर्क देता रहे, लेकिन उसे अपने गठबंधन के साझेदारों के प्रति अधिक उदार होने की जरूरत है। झारखंड में भाजपा के प्रभुत्व के मद्देनजर कांग्रेस को इतना विनम्र तो होना चाहिए कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के बाद दूसरी भूमिका निभा सके। महाराष्ट्र में भी, उसे इस बात को प्राथमिकता देनी चाहिए कि गठबंधन के लिये क्या बेहतर हो सकता है न कि वह अपने पार्टी हितों को प्राथमिकता दे। यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि लोकसभा चुनावों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अच्छी तरह से एकजुट हो गई है। पार्टी ने अपने अहम को त्यागकर गठबंधन धर्म की राह पकड़ी है। कांग्रेस को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी से कुछ तो सबक सीखना चाहिए, यह जानते हुए कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के जनादेश से कांग्रेस के लिये राष्ट्रीय राजनीति में मुश्किलें बढ़ेंगी। इस बात का अंदाजा इस घटनाक्रम से लगाया जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद आम आदमी पार्टी व शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट ने कांग्रेस को निशाना बनाना आरंभ कर दिया है।

रामलीला का बदलता स्वरूप समाज के लिए खतरा

(लेखक- विनोद कुमार सिंह)

- आप में सें यहाँ कोई राम है?

दिल्लीवासियों का सम्बन्ध राम लीलाओं से काफी ही पुराना है। जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का ऐतिहासिक। रामलीला मैदान है। जिसके जुड़ी हुई कुछ किस्से आज भी सुनने को मिलती रहती है। पिछले दिनों दिल्ली व एन सी आर राम भक्तों व रामलीलाओं मंचन व जयश्री राम व हर हर महादेव के नारे से पुरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दिल्ली व एन सी आर वाले शाम होते हीअपने परिवार के सदस्यो के संग रामलीला का आनंद लेने घर से निकल पड़ते थे। मुझे भी कुछ रामलीलाओं को अवलोकन का सुअवसर मिला। इस दौरान मुझे एक जिज्ञासु व दर्शक की पैनी नजर से रामायण के कई पात्रओ के बारे में बारीकी से जानने का अवसर मिला। रामलीलाओं स्थलों व मंचों के कई क्षण व दृश्य ऐसे आयें जिसने मुझे ना प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने को मजबूर कर दिया। इन में दो उल्लेखनीय पहलू है। रामलीला कर राम -रावण युद्ध का प्रसंग। आप को बता दें राम - रावण का युद्ध काफी ही शिक्षाप्रद व रोचक है। आज रामलीलाओं में मर चुका है रावण का शरीर,सुनसान है किले का परकोटा,चारो दिशाओं में उदासी पसरी है,किसी के घर में नही जल रहा दीया। विभीषण के घर छोड़ कर सागर के तट पर बैठ है विजय श्री राम। विभीषण को लंका का राज्य पाठ सौंपते हुए ताकि सुबह हो सके निर्विघ्न राज्याभिषेक,स्वयं राम लक्ष्मण से पुछते अपने सहयोगियों के कुशल क्षेम,चरणो में हनुमान बैठे। लक्ष्मण मन से क्षुब्द है। भ्राताश्री राम सीता माता को अशोक बाटिका मे क्यों नही लेने जाते है।

विभीषण का राज्याभिषेक हो गया है। लंका में राम प्रवेश कर एक भव्य भवन पहुंच गये है। हनुमान को अशोक वाटिका में संदेश देने भेजते है कि रावण मारा गया है और अब विभीषण लंकापति है। हनुमान का यह संदेश सुनकर माँसीता खामोश है,निहारती है उस रास्ते को। उनके मन में प्रश्न उठते है कि रावण का वध करते ही वनवासी राम,राजा राम बन गये क्या। लंका पहुंच कर वे क्यूं नही जानना चाहते है,एक वर्ष कहाँ रही सीता,कैसे रही उनकी सीता। मॉ सीता के नयनों से अविरल बहते हए अश्रुधार। ना राम भक्त हनुमान नही समझ पाते, ना रामायण के रचयिता बाल्मिकी कह नही पाते है। माँ सीता आज सोचती है कि अगर राम आते मै उन्हें यहाँ के परिचायिकाओं से, जिन्होने रावण के आदेश पर मुझे भयभीत तो किया,लेकिन नारी के पूर्ण गरिमा प्रदान की,वे रावण की अनुचरी थी लेकिन मेरे लिए माताओं के समान थी। अगर स्वयं राम आते यहाँ मै उन्हें इसे मिलवाते,यहाँ के अशोक के वृक्षों से जिन्होंने मुझे अपने विश्वास पर अड़े की आपर शक्ति देती रही,यहाँ की पुष्प व लताओं से जिन्होनें उनकी सीता कीआँसुओं को ओंस के कणों की तरह सहेज कर रखा। लेकिन वे अब तो वे राजा राम है कैसे आते अपनी सीता को लेने के लिए। देखते देखते कई पहर बीत गए,लंकापति विभीषण के नेतृत्व में माता सीता जी का श्रंगार की गई। भव्य पालकी मे बैठी हुई माँ सीता आज मन मन सोच रही है कि राजा जनक जी ने उन्हें इसी तरह से घर से विदा किया था। तभी वातावरण में स्वर गुंजता है कि सीता को मेरे पास पैदलआने दो। भुमि सुता माँ सीता जमीन पर कॉपती हुई चलते मन में ज्वलंत प्रशन उठते है कि मैंने स्वयंवर में जिसका वरण किया था क्या ये वही है यह पुरुष,जिसके प्रेम में अयोध्या का महल छोड़ कर उनके संग वन वन भटकी थी। हॉ रावण नें गोद मे उठाया था। मुझसे क्या था प्रणय निवेदन वह स्वयं में राजा था,चाहता तो बल पूवर्क ले जाता राजमहल में,लैकिन उसने मेरे स्त्रीत्व का अपमान कभी नही किया। रावण के विषय में सही जानकारी से आज बहुत लोग अपरिचित है। रावण कौन था,क्या रामायण का एक पात्र मात्र था आपके मन में भी कुछ ऐसे सवाल होंगे तो मै बता दूँ कि रावण एक महाज्ञानी,महा पराक्रमी और महाबलशाली था। रावण चारों वेदों का जानकार था। वह धरती पर मौजूद सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक था। हालांकि उसके अहंकार के कारण उसका अंत हुआ। रावण भगवान शिव का परम भक्त था और उसे यह वरदान था कि कोई भी देवी-देवता का उसका अंत नहीं सकता।

यही कारण है कि रावण का वध करने के लिए भगवान विष्णु को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा। भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। रावण के अंत से पहले भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच कई दिनों तक युद्ध चला। धर्म और अधर्म के बीच हुआ यह युद्ध कितने दिनों तक चला,इस बार में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया। युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी। जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया। इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था। अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ। रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे। शास्त्रों के अनुसार रावण की सेना में करोड़ो लोग थे,बावजूद इसके भगवान श्रीराम और उनकी वानर सेना ने बहुत पराक्रम के साथ युद्ध किया और श्रीराम ने रावण का अंत कर दिया। सिर्फ रावण ही नहीं बल्कि उसकी सेना में ऐसे कई पराक्रमी योद्धा थे,जिन्हें किसी मनुष्य के लिए हराना असंभव था। इसलिए भगवान विष्णु के अवतार के साथ-साथ भगवान शिव और अन्य देवताओं ने भी अवतार लिए थें। श्रीराम-रावण के युद्ध में रावण के चार भाइयों कुम्भकर्ण,खर,दूषण और अहिरावण ने हिस्सा लिया था। इनमें से अहिरावण का अंत हनुमानजी ने किया था जबकि बाकी तीन भाइयों का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। युद्ध में रावण के सात शूरवीर पुत्र भी उतरे थे। इनमें से मेघनाद, प्रहस्त और अतिकाय का अंत लक्ष्मणजी ने किया जबकि नरान्तक, देवान्तक और अक्षय कुमार का अंत हनुमान के हाथों हुआ। रावण के एक पुत्र त्रिशिरा का अंत श्रीराम के हाथों हुआ।

(चिंतन-मनन)

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलत- इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलत- वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलत- सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अत- किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

विचार मंथन

सरकार बेरोजगारों को लाभार्थी नहीं, कामार्थी बनाए

(लेखक- सनत जैन)

भारत में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। पिछले तीन दशक में डिग्री से नौकरी और रोजगार की परिकल्पना का तेजी के साथ विस्तार हुआ। वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत में उधार के धन का प्रवाह बढ़ा है। पिछले 30 वर्षों में दुनिया के सभी देशों की आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ीं हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में सारी दुनिया एक तरह से सोचने लगी। आर्थिक एवं सामाजिक विकास को लेकर सारी दुनिया में एकरूपता आई। औद्योगिक विकास को ही सबसे बड़ा विकास मान लिया गया। भौतिक आवश्यकताओं का एक नया पैमाना विकसित हुआ। डिग्री के आधार पर नौकरी और रोजगार के सृजन को मान लिया गया। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया। किताबी ज्ञान कभी वास्तविक ज्ञान का स्वरूप नहीं ले सकता है। किताबी ज्ञान की डिग्री कभी कोई काम नहीं आ सकती है। करोड़ों डिग्री धारी युवाओं को वर्षों से रोजगार नहीं मिल रहा है। बड़ी-बड़ी डिग्रियां होने के बाद भी उन्हें 10 से 15000 रुपए की नौकरी नहीं मिल पा रही है। जिसके कारण अब युवाओं में उच्च शिक्षा और डिग्रियों के प्रति अरुचि दिखने लगी है। औद्योगिक क्रांति से मशीनों को तो काम मिल सकता है, लेकिन आबादी को काम नहीं मिल पाता है। पिछले 20 वर्षों में बैंकिंग सेक्टर काफी तेजी के साथ आगे बढ़ा। बैंकों में उपभोक्ताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई। बैंकों की कमाई कई गुना बढ़ गई। लेकिन बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाले लोगों की संख्या घटती चली गई। यही हाल रेलवे का है। यही हाल गवर्नमेंट सेक्टर का है। उद्योग और व्यापार में जिस तरह से कॉरपोरेट कंपनियों ने अपना एकाधिकार बनाते हुए स्थानीय रोजगारों को समाप्त करने का काम किया है। पूंजी का प्रवाह कुछ बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों तक सीमित होकर रह गया, जिसके कारण मध्यवर्ग और निम्न वर्ग की बचत खत्म हो गई। निम्न और मध्यम वर्ग पर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया। देश में डिग्री लेकर नौकरी की मांग करने वाले युवाओं की संख्या साल दर साल बढ़ती चली गई। जो स्थानीय रोजगार और धंधे थे, वह पूरी तरह समाप्त होते चले गए। भारत जैसे देश में जिसकी आबादी 140 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 30 करोड़ से ज्यादा उच्च शिक्षित पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार हैं। इन्हें बाबू और चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल पा रही है। पिछले वर्षों में रोजगार के अवसर स्थानीय आधार पर उपलब्ध थे आर्थिक विकास के नाम से वह छीन लिए गए हैं। सभी रोजगार व्यवसाय और उद्योग में कॉर्पोरेट का कब्जा होता जा रहा है। जिसके कारण बेरोजगारी की समस्या दिन- प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए बेरोजगारों को लाभार्थी बनाने के लिए सरकार प्रतिमाह कुछ राशि देकर बेरोजगार युवाओं के गुस्से को शांत करना चाहती है। बेरोजगार युवाओं को सरकारी सहायता पर निर्भरता बढाई जा रही है। यह स्थिति आर्थिक, सामाजिक विकास की दृष्टि से भविष्य में बहुत नुकसान पहुंचाने वाली साबित होगी। भारत की युवा आबादी ने भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में अपने ज्ञान और मेहनत के बल पर एक अलग जगह बनाई है। अब डिग्रियां होते हुए भी नौकरी या काम नहीं मिलने के कारण भारतीय युवा निराश और हताश है। हरियाणा पंजाब तमिलनाडु केरल और गुजरात जैसे राज्यों से युवा चोरी-छिपे रोजगार की तलाश में अवैध रूप से विदेशों में जा रहे हैं। इजराइल जैसे युद्धग्रस्त देश में भी मजदूरी करने के लिए तैयार हैं। युवाओं को भारत में रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है। बाहर के देशों में भी अनुभव नहीं होने के कारण काम नहीं मिल रहा है। 1970 के बाद बड़ी तेजी के साथ देश में लघु एवं मध्यम उद्योग विकसित हुए थे। जिस तरह का सामाजिक और आर्थिक ढांचा स्थानीय रोजगार पर आधारित था, पिछले 10 वर्षों में रिटेल सेक्टर में कारपोरेट कंपनियों का कब्जा हो जाने से वह पूरी तरह से टूट गया है। युवाओं के पास डिग्री है। उनके पास नौकरी और रोजगार के अवसर नहीं हैं। नौकरी और रोजगार के लिए जो ज्ञान आवश्यक है, वह उन्हें पढ़ाई के दौरान नहीं मिला। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से विदेशी पूंजी भारत में आई है। हर धंधे में बड़ी-बड़ी कंपनियों का एकाधिकार होता चला गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओएनजीसी छोटे एलएनजी संयंत्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) पाइपलाइन से नहीं जुड़े कुओं से प्राकृतिक गैस निकालने के लिए छोटे आकार के एलएनजी संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने गैस कुओं के पास ऐसे संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश, झारखंड और गुजरात में पांच स्थानों की पहचान की है। ये संयंत्र जमीन के नीचे से निकाली गई गैस को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) में बदलेंगे। इस एलएनजी को क्रायोजेनिक ट्रकों के जरिये समीप के पाइपलाइन में ले जाया जाएगा जहां इसे गैस की अवस्था में फिर से परिवर्तित किया जाएगा। उसके बाद इसकी आपूर्ति बिजली संयंत्रों, उर्वरक इकाइयों या शहर में गैस वितरण करने वाली खुदरा विक्रेताओं को की जाएगी। ओएनजीसी ने विनिर्माताओं/सेवा प्रदाताओं से ऐसे प्राकृतिक गैस का उपयोग करने के लिए एक निविदा जारी की है। निविदा में छोटे-एलएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में दो और गुजरात के अंकलेश्वर को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा झारखंड के बोकारो और गुजरात के कैम्बे में एक-एक स्थान की पहचान की गई है। ओएनजीसी ने निविदा दस्तावेज में कहा कि देश में पाइपलाइनों का एक व्यापक नेटवर्क है। पाइपलाइन के ये नेटवर्क आपूर्ति और मांग केंद्रों को जोड़ता है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में ऐसे गैस हैं, जो पाइपलाइन से जुड़े नहीं है। इनका उपयोग घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि इस प्रकार की फंसी हुई गैस की मात्रा 5,000 से 50,000 मानक घन मीटर प्रतिदिन तक हैं। इनका उत्पादन पांच साल तक किया जा सकता है। निविदा में विनिर्माताओं और सेवा प्रदाताओं से एलएनजी का उत्पादन करने के लिए बीओओ (बनाओ, स्वामित्व और परिचालन) के आधार पर एक छोटे पैमाने पर एलएनजी संयंत्र स्थापित करने, उत्पादित एलएनजी को करीब 250 किलोमीटर तक कास्केड (उच्च दबाव वाले गैस सिलेंडर भंडारण प्रणाली)/ टैंकरों के जरिये खपत स्थलों तक पहुंचाने के लिए बोलियां आमंत्रित की गईं हैं। इसके अलावा इसमें एलएनजी को फिर से गैस में बदलने और फिर उसे मौजूदा गैस वितरण ग्रिड में डालने अथवा सीधे थोक उपभोक्ताओं को आपूर्ति करने की बात भी शामिल है। देश में प्रतिदिन नौ करोड़ मानक घन मीटर से अधिक प्राकृतिक गैस का उत्पादन होता है। इसका उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक बनाने और वाहन चलाने के लिए सीएनजी में परिवर्तित करने तथा खाना पकाने लिए पाइप के जरिये घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस के रूप में किया जाता है। लेकिन घरेलू उत्पादन मांग का लगभग आधा हिस्सा पूरा करता है। ओएनजीसी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादक है। कंपनी आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने तथा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। इस निविदा के जारी होने से पहले, कंपनी ने मध्य प्रदेश में विंध्य बेसिन में अपने हट्टा गैस क्षेत्र के पास एक छोटे आकार का एलएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए देश के सबसे बड़े खुदरा ईंधन विक्रेता इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के साथ साझेदारी की थी।

भारत के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार में कमी,भारत के लिए चिंता का विषय

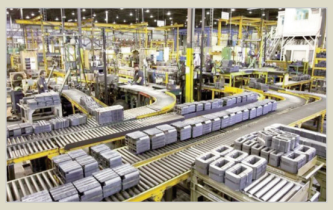

नई दिल्ली । भारत के औद्योगिक उत्पादन में लगातार सस्ती देखने को मिल रही है। अगस्त माह में औद्योगिक उत्पादन की दर - 01 पर पहुंच गई। माइनिंग सेक्टर में 4.3 फ़ीसदी और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में 3.7 फ़ीसदी की गिरावट जनवरी 2024 की तुलना में देखने को मिली। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जो आंकड़े जारी किए गए हैं। उसके अनुसार माइनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। कहा जा रहा है कि अधिक बारिश के कारण औद्योगिक उत्पादन में कमी आई है। इसका असर माईनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर पर पड़ा है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 के पहले 5 महीने में लगभग दो फ़ीसदी औद्योगिक उत्पादन में औसत गिरावट हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में 3.71 अरब डॉलर घटकर, 701.18 अरब डॉलर पर आ गया है। भारत के गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 4 करोड डालर घटकर 65.75 अरब डॉलर पर आ गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सभी ओर से निराशाजनक समाचार मिलने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

भारत से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात का अवसरों को टटोलेंगे: हुंदै मोटर

नई दिल्ली । हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आगामी इलेक्ट्रिक वाहनों को देश से अन्य बाजारों में निर्यात करने के अवसरों को टटोलेगी। कंपनी उभरते बाजारों के लिए उत्पादन केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा। कंपनी भविष्य में चार इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना बना रही है। इसमें वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही तक उसकी लोकप्रिय स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) क्रेटा का इलेक्ट्रिक संस्करण भी शामिल है। उन्होंने ककि कि हम उभरते बाजारों के लिए एक बहुत मजबूत उत्पादन केंद्र हैं। हम 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहे हैं। जहां तक ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) का सवाल है, यह निश्चित रूप से मांग पर निर्भर करेगा। कंपनी जो भी उत्पाद भारत में पेश करती है, हम उसे उसे अन्य बाजारों में निर्यात करने को लेकर गौर करने के लिए हमेशा तैयार होते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी भविष्य में यहां पेश होने वाली अपनी इलेक्ट्रिक वाहन का निर्यात करेगी, उन्होंने कहा कि ईवी के निर्यात के संदर्भ में यह बुनियादी ढांचे पर निर्भर करेगा। यह मांग पर निर्भर करेगा लेकिन यह सही है कि आने वाले समय में हम इस मामले में उपलब्ध अवसरों पर गौर करेंगे।' उन्होंने कहा` कि ये उत्पाद मुख्य रूप से भारतीय बाजार के लिए हैं। हमारी रणनीति हमेशा यह रही है कि उत्पादों को भारतीय बाजारों के केंद्र में रखा जाए ताकि पैमाने की मितव्ययिता हासिल की जा सके। अे धिकारी ने कहा` कि जैसा कि कंपनी ने पूर्व में किया है, वह अन्य उभरते बाजारों में अवसर तलाशेगी जहां भारत के ग्राहकों जैसी पसंद है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर हम भारत में जो भी उत्पाद तैयार करते हैं, वे अफ्रीका, पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका, मध्य अमेरिका, एशिया जैसे उभरते बाजारों के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं।

कोल इंडिया का सरकारी खजाने में योगदान में मामूली गिरावट

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सरकारी खजाने में योगदान सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 28,930.27 करोड़ रुपये रहा। कोयला मंत्रालय के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-सितंबर अवधि में सरकारी खजाने में 29,122.13 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर महीने में सरकार को भुगतान किये गये कुल शुल्क भी आलोच्य अवधि में 11.1 प्रतिशत घटकर 4,335.24 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले 2023-24 के इसी महीने में यह 4,878.84 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर में सरकारी खजाने को भुगतान किये गये कुल 28,930.27 करोड़ रुपये में से, सबसे ज्यादा 6,452.30 करोड़ रुपये झारखंड सरकार को मिले। इसके बाद ओडिशा का स्थान रहा जिसे 6,383.14 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ को 5,432.02 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 5,177.41 करोड़ रुपये तथा महाराष्ट्र को 2,782.25 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।कोयला उत्पादक राज्यों ने रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) सहित अन्य से राजस्व अर्जित किये।

कंपनियों के तिमाही परिणामों का शेयर बाजार पर रहेगा असर

- बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह मध्य-पश्चिम संघर्ष को लेकर वै श्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली से गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और एक्सिस बैंक समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जारी होने वाले परिणाम का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 307.09 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 81381.36 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50.35 अंक उतरकर 24964.25 अंक पर रहा। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई।

इससे मिडकैप 530.12 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 48436.86 अंक और स्मॉलकैप 654.78 अंक उछलकर 56600.09 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह विश्व बाजार का रुझान कमजोर रहा।

भारतीय बाजार वर्तमान में प्रीमियम मूल्यांकन और दूसरी तिमाही के सुस्त नतीजों के कारण सुदृढ़ीकरण के चरण में है। इसके विपरीत विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) चीन के प्रोत्साहन उपायों और कम मूल्यांकन से चीनी बाजारों में आर्बिट्रेज अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा तथा उसके निर्णयों से निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना का संकेत नहीं मिलता है।

इस बीच हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीद से अधिक बेहतर प्रदर्शन से घरेलू बाजार में आशा की लहर दौड़ गई। इससे सेंसेक्स ने कुछ लचीलापन दिखाया और वापस उछलने का प्रयास किया तथा निफ्टी 50 सूचकांक को 24,800 अंक के स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि यह समर्थन अस्थायी बना हुआ है, जिससे इसके मध्यवर्ती स्तर पर होने का जोखिम बना हुआ है। बीते सप्ताह बाजार अपनी तेजी को बरकरार नहीं रख सका और निफ्टी50 25,000 अंक से नीचे बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित वृद्धि और जारी भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण अमेरिका में 10 वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में हाल में हुई वृद्धि ने एफआईआई को अधिक सस्ते बाजारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। इस प्रवृत्ति से अल्प अवधि में इक्विटी परिसंपत्ति का प्रदर्शन प्रभावित होने की उम्मीद है। इस सप्ताह निवेशकों की वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों पर पैनी नजर रहेगी। दूसरी तिमाही के परिणाम के तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कमजोर प्रदर्शन रहने का अनुमान है। गिरावट का जोखिम बढ़ रहा है, जिससे अल्प से मध्यम अवधि में भारत का प्रीमियम मूल्यांकन कम हो सकता है। इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र बैंक, सीआईएल, बजाज ऑटो और क्रिसिल समेत कई दिग्गज कंपनियों की दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही। इजराइल-ईरान तनाव और चीन के प्रोत्साहन पैकेज के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 638.45 अंक का गोता लगाकर करीब डेढ़ माह के निचले स्तर 81,050.00 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 218.85 अंक की गिरावट लेकर 24,795.75 अंक पर बंद हुआ।

प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 1.22 लाख करोड़ घटा

- सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस को हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,22,107.11 करोड़ रुपये घट गया। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। शेयर बाजार में कमजोर रुख के अनुरूप प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 35,638.16 करोड़ रुपये कम होकर 15,01,723.41 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 21,351.71 करोड़ रुपये घटकर 18,55,366.53 करोड़ रुपये पर रहा। वहीं आईटीसी का मूल्यांकन 18,761.4 करोड़ रुपये घटकर 6,10,933.66 करोड़ रुपये जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर` लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 16,047.71 करोड़ रुपये घटकर 6,53,315.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 13,946.62 करोड़ रुपये घटकर 6,00,179.03 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 11,363.35 करोड़ रुपये घटकर 8,61,696.24 करोड़ रुपये रहा। साथ ही एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 4,998.16 करोड़ रुपये घटकर 12,59,269.19 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 26,330.84 करोड़ रुपये बढ़कर 9,60,435.16 करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं

इन्फोसिस का एमकैप 6,913.33 करोड़ रुपये बढ़कर 8,03,440.41 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,034.36 करोड़ रुपये बढ़कर 7,13,968.95 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद क्रमश टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव रविवार को भी स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.47 प्रतिशत की गिरावट लेकर 75.49 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.32 प्रतिशत लुढ़ककर 78.79 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं नई दिल्ली में पेट्रोली 94.72 प्रे ति लीटर, डीजल 87.62 प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 पे ति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर एवं कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

चीन के शेयर बाजार को 24 लाख करोड़ का पैकेज देगी सरकार

- भारतीय शेयर बाजार में मचेगा हड़कंप

मुंबई ।

शुक्रवार को कारोबार के अंतिम दिन गिरावट के साथ शेयर बाजार बंद हुए। सेंसेक्स में 230 अंक और निफ्टी में 34 अंक गिरावट देखने को मिली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक जिस तरह से अपना पैसा निकाल कर चीन में निवेश कर रहे हैं। उसके कारण भारतीय शेयर बाजार की हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। देसी निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में जो निवेश किया जा रहा है। वह भी मुनाफा वसूली की भेंट चढ़ रहा है। चीन की सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रियल इस्टेट सेक्टर और शेयर बाजार में, भारतीय मुद्रा में 24 लाख करोड रुपए का पैकेज देने का ऐलान किया है। इस संभावना के कारण भारत के शेयर बाजार में हड़कंप की स्थिति देखने को मिल रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, चीन की सरकार द्वारा शेयर मार्केट को आर्थिक पैकेज दिए जाने के बाद, भारत में निवेशकों की निकासी बढ़ेगी। जिसके कारण शेयर बाजार को संभालना बड़ा मुश्किल होगा।

डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को उपहार में दी 28 कारें और 29 बाइक

चेन्नई ।

ढांचागत इस्पात डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 बाइक उपहार में दी हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं। कंपनी के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम कंपनी की सफलता में उनके (कर्मचारियों) अथक प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा दिखाना चाहते थे। हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने कर्मचारियों के योगदान को उनके प्रदर्शन, सेवा के वर्षों के आधार पर मापा है। हमारे कर्मचारियों ने असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया है, और हमें उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने पर गर्व है। अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कंपनी में लगभग 180 कर्मचारी हैं जो साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और अत्यधिक कुशल हैं।

उन्होंने कहा कि हम उन उम्मीदवारों का चयन करते हैं जो अत्यधिक प्रेरित होते हैं और उनके लिए कार या बाइक खरीदना एक सपने जैसा होता है। हम कर्मचारियों को बाइक उपहार में देते रहे हैं और 2022 में हमने अपने दो वरिष्ठ सहयोगियों को कार उपहार में दी। हमने आज 28 कारें उपहार में दी हैं। उनमें से कुछ मारुति सुजुकी, हुंडई, मर्सिडीज बेंज भी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी एक निश्चित राशि के साथ कार या बाइक देगी।

उन्होंने कहा कि अगर कर्मचारी को कंपनी द्वारा चुनी गई कार से बेहतर वाहन की जरूरत है तो उसे शेष राशि का भुगतान करना होगा।

विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बोइंग में होगी छंटनी

फ्रांसिस्को।

विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बोइंग अपने कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी अपने वर्कफोर्स के करीब 10 प्रतिशत भाग यानि 17,000 लोगों को इस छंटनी का हिस्सा बनाएगी। इसका मुख्य कारण वित्तीय संकट बताया जा रहा है। बोइंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कर्मचारियों को ईमेल भेजकर इस फैसले की घोषणा की। यह छंटनी आने वाले महीनों में होगी और इसमें अधिकारी, प्रबंधक और कर्मचारी शामिल होंगे। कंपनी ने कहा` कि हमारा व्यवसाय मुश्किल स्थिति में है और हम सभी के सामने आने वाली चुनौतियों को बढ़ा-चढ़ा कर बताना मुश्किल है। मौजूदा माहौल से निपटने के अलावा हमें अपनी कंपनी को फिर से खड़ा करने के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। इसके लिए कंपनी को संरचनात्मक बदलाव करने होंगे ताकि हम प्रतिस्पर्धी बने रह सकें और लंबे समय तक अपने ग्राहकों को सेवाएं दे सकें। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब कंपनी एक मुश्किल वर्ष का सामना कर रही है। सितंबर के मध्य से बोइंग फैक्ट्री के 30,000 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर हैं। कंपनी के सीईओ ने कहा कि उन्हें हमें अपनी वित्तीय स्थिति का वर्कफोर्स से तालमेल बिठाने के लिए ऐसा करना पड़ेगा ताकि हम अपनी अन्य प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें। सीईओ ने कहा` कि आने वाले महीनों में हम अपने वर्कफोर्स को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने की योजना बना रहे हैं। इस छंटनी में अधिकारी, प्रबंधक और कर्मचारी शामिल होंगे। अगले सप्ताह आपकी नेतृत्व टीम इस बारे में अधिक जानकारी साझा करेगी। इस फैसले के आधार पर हम आने वाली छुट्टियां भी आगे प्रॉसेस नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा ऑर्डर पूरा करने के बाद, बोइंग वाणिज्यिक 767 मालवाहक विमानों का प्रोडक्शन भी 2027 तक बंद कर देगी।

मांग बढ़ने से अधिकांश तेल-तिलहन में सुधार देखा गया

नई दिल्ली । आयातित खाने के तेलों की कम आपूर्ति के बीच बढ़ती त्योहारी मांग की वजह से देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती रही तथा मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। दूसरी ओर, सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन और बिनौला की आवक निरंतर घट रही है। किसानों से जो ऊपज तेल संयंत्रों को मिलना था, उस सौदे को स्टॉकिस्ट जमा कर रहे हैं। किसान अपनी ऊपज सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेचने को लेकर कहीं अधिक आश्वस्त नजर आ रहे हैं क्योंकि मंडियों में उनकी ऊपज के दाम लगभग 10 प्रतिशत कम लगाये जा रहे हैं। सरकार को सोयाबीन बेचने के लिए किसान अपना पंजीकरण कराने में लगे हैं और खुले मंडियों में कम ऊपज ला रहे हैं। इस कम आपूर्ति की वजह से सोयाबीन तिलहन कीमत में सुधार है।उन्होंने कहा कि दूसरी ओर मंडियों में कम आपूर्ति के बीच आयात की भी कमी रहने के कारण सोयाबीन तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने हुए हैं। सोयाबीन तेल अभी भी प्रीमियम के साथ बिक रहा है।सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार को मलेशिया एक्सचेंज मजबूत बंद हुआ था जिस वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार है। उन्होंने कहा कि आवक घटने के कारण बिनौला तेल कीमत में सुधार है। कपास नरमा का भाव मजबूत बना हुआ है। शे निवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे= सरसों तिलहन 6,650-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,375-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,100 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,285-2,585 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 13,975 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,180-2,280 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,180-2,295 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,150 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 12,575 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,725-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,425-4,660 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,225 रुपये प्रति क्विंटल।

हुंडई मोटर्स 2032 तक 32,000 करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली । हुंडई मोटर्स इंडिया का आईपीओ भारतीय जीवन बीमा निगम के 21,000 करोड़ रुपये के इश्यू साइज का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा है। हुंडई आईपीओ के अपर प्राइस बैंड के हिसाब से इसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपये का है। हुंडई के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये (22 से 23 डॉलर) प्रति शेयर है। गौरतलब है कि हुंडई मोटर्स इं डिया ने 15 जून को मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस डीआरएचपी फाइल किया था। 25 सितंबर 2024 को सेबी ने हुंडई को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी थी। हुंडई ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि हमने अपने चेन्नई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और अपने तलेगांव मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ ऑफर लेटर दिए है, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 32,000 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। कंपनी की तरफ से बताए गए ये 32,000 करोड़ रुपये के खर्च साल 2023 से लेकर 2032 तक के लिए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा था` कि हम अपने आंतरिक स्रोतों से 32,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना के लिए पैसा देने की योजना बना रहे हैं। 1 अप्रैल तक हमारे पास 9,000 करोड़ रुपये की नकदी है। कंपनी ने डीआरएचपी में बताया कि हमारे पहले के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) थे और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे भविष्य के पूंजीगत खर्च मुख्य रूप से नए पैसेंजर व्हीकल मॉडल लॉन्च के संबंध में प्लांट, प्रॉपर्टी और इक्विपमेंट्स और एसेट्स के अधिग्रहण के लिए होंगे।

मयंक यादव ने टी20आई क्रिकेट में हासिल की विशेष उपलब्धि, हार्दिक-अर्शदीप-भुवनेश्वर के क्लब में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क - युवा गेंदबाज मयंक यादव ने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत ने अपनी पारी में 297/6 का प्रभावशाली स्कोर बनाया जिससे बांग्लादेश पर भी इसी तरह का प्रदर्शन करने का दबाव बना। महज 22 साल के यादव ने बांग्लादेश को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने एक शॉर्ट बॉल फेंकी जिसने परवेज हुसैन इमोन को चौंका दिया।

इमोन ने बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया लेकिन सही शॉट नहीं लगा पाए जिसके परिणामस्वरूप एक अजीब प्रयास हुआ। पहली स्लिप में तैनात पराग ने तेजी से अपने बाएं ओर कदम बढ़ाया और एक आसान कैच लपका। यादव का योगदान बांग्लादेश की पारी को गति पकड़ने से पहले सीमित करने में महत्वपूर्ण रहा। इस उपलब्धि के साथ मयंक टी20आई इतिहास में पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए। वह भारतीय क्रिकेटरों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गए जिसमें हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार शामिल हैं।

भुवनेश्वर कुमार ने अपने करियर में तीन बार यह उपलब्धि हासिल की है। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में संजू सैमसन टी20आई शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बने। यह रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20आई के दौरान बनाया गया था। सैमसन ने 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 236.17 की स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए।

राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में संजू सैमसन का एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है, उन्होंने आठ पारियों में 66.33 की औसत और 162.44 की स्ट्राइक रेट से 398 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने पूर्ण सदस्य टीमों के खिलाड़ियों द्वारा दूसरा सबसे तेज टी20आई शतक भी दर्ज किया। पूर्ण सदस्य टीम के खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टी20आई शतक दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, दोनों ने 35 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यानिक सिनर ने जीता शंघाई मास्टर्स, आर्यना सबालेका वुहान ओपन चैम्पियन बनीं

शंघाई (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज यानिक सिनर ने रविवार को यहां 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इटली के इस खिलाड़ी ने 8 ऐस और 22 विनर लगाकर जोकोविच को 7-6 (4), 6-3 से शिकस्त दी। जोकोविच ने 4 ऐस और 12 विनर लगाए जबकि सिनर ने एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। जोकोविच यहां टूर स्तर के अपने 100वें खिताब की कोशिश में जुटे थे। जिमी कोनोर्स और रोजर फेडरर ही पुरुष टेनिस में शतक के खिताबी आंकड़े को पार कर पाए हैं। कोनोर्स ने 109 जबकि फेडरर ने 103 टूर स्तर के खिताब जीते हैं।

वहीं, दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेका ने 7वीं रैंकिंग पर काबिज झेंग किनवेन को फाइनल में 6-3, 7-5, 6-3 से हराकर लगातार तीसरे साल वुहान ओपन खिताब जीत लिया। यह सबालेंका इस सत्र में चौथा खिताब है जिसमें उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन और अमेरिकी ओपन ग्रैंडस्लैम भी जीते हैं। बेलारूस की इस खिलाड़ी का टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 17-0 हो गया है।

खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को एक और झटका, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर : रिपोर्ट

स्पोर्ट्स डेस्क। मुल्तान में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों पाकिस्तान की शर्मनाक हार के बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम को टीम से बाहर कर दिया गया है, एक रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि की है। पिछले कुछ महीनों में बाबर सभी प्रारूपों में बेहद खराब फॉर्म में हैं। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने केवल 30 और 5 रन बनाए जबकि पिच बल्लेबाजों के लिए बिल्कुल अनुकूल थी। मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान की हार के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया, जिसने कथित तौर पर बाबर को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर करने का फैसला किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार अलीम डार, आकिब जावेद और अजहर अली वाली चयन समिति ने बल्ले से खराब प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर को टीम से बाहर करने का फैसला किया है। कथित तौर पर चयन समिति ने शनिवार को पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ-साथ पीसीबी द्वारा तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए पांच सलाहकारों से मुलाकात की और टीम को अंतिम रूप दिया। यह विकास इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने बाबर को टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया था।

मसूद ने पहले टेस्ट के बाद मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'हम एक टीम मानसिकता बनाना चाहते हैं। हम बहुत अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में, यह आसान नहीं है। आपको बहुत सारे अवसर देने होते हैं, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि बाबर आजम पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। आपको हमेशा यह ध्यान में रखना होगा कि आपका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज सिर्फ एक गेम दूर है। हम विचार करेंगे और देखेंगे कि कौन सी परिस्थितियां होंगी। हम सर्वश्रेष्ठ को टीम में रखने की कोशिश करेंगे।'

एचआईएल नीलामी: 78 लाख में बिके भारतीय कप्तान हरमनप्रीत, इस क्लब ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन रविवार को भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए जबकि सूरमा हॉकी क्लब ने इस स्टार ड्रैग फ्लिकर को 78 लाख रुपये में खरीदा। सभी आठ फ्रेंचाइजी ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य खिलाड़ियों की सेवाएं हासिल करने के लिए मोटी रकम खर्च की। अभिषेक दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने जिन्हें श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपए में खरीदा जबकि हार्दिक सिंह के लिए यूपी रुद्रास ने 70 लाख रुपए खर्च किए।

अमित रोहिदास के लिए तमिलनाडु ड्रैगन्स ने सबसे अधिक 48 लाख रुपए की बोली लगाई जबकि जुगराज सिंह को भी बंगाल टाइगर्स ने इसी राशि में खरीदा। हैदराबाद तूफान्स ने सुमित को 46 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा। विदेशी गोलकीपर में आयरलैंड के डेविड हार्टे सबसे अधिक राशि में बिके। उन्हें तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 32 लाख रुपए में खरीदा।

जर्मनी के जीन-पॉल डैनबर्ग (हैदराबाद तूफान्स, 27 लाख रुपये), नीदरलैंड के पिरमिन ब्लैक (बंगाल टाइगर्स, 25 लाख रुपए) और बेल्जियम के विन्सेंट वानाश (सूरमा हॉकी क्लब, 23 लाख रुपए में) पर भी टीमों ने मोटी रकम खर्च की। भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा और पवन को टीम गोनासिका और दिल्ली एसजी पाइपर्स ने क्रमशः 22 लाख रुपए और 15 लाख रुपए में खरीदा।

महेला जयवर्धने फिर बने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच

मुंबई - पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने मेगा नीलामी से पहले बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। जयवर्धने 2017-2022 तक मुंबई इंडियंस के साथ इसी भूमिका में जुड़े हुए थे। फ्रेंचाइजी ने 2017, 2019 और 2020-21 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता था। जयवर्धने इस तरह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर की जगह लेंगे जो दो साल तक मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच थे। मुंबई इंडियंस ने 2023 चरण में नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया लेकिन इस साल उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा जिसमें टीम 14 मैच में से केवल चार में ही जीत दर्ज कर पाई। जयवर्धने ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुंबई इंडियंस परिवार में मेरी यात्रा हमेशा विकास करने की रही है। 2017 में ध्यान सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का एक ग्रुप बनाने पर था और हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। अब वापसी में उसी भूमिका में मुंबई इंडियंस के इतिहास में योगदान देना जारी रखने का मौका एक रोमांचक चुनौती है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलिया में पहले या दूसरे टेस्ट में रोहित का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले या दूसरे टेस्ट मैच में से किसी एक में शायद ही खेल पायें। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित व्यक्तिगत कारणों से किसी एक मैच से बाहर रह सकते हैं और इस बारे में उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को भी जानकारी दे दी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में उतरेगी और ऐसी संभावना है कि रोहित एडिलेड में (6-10 दिसंबर) वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार अभी इस बारे में साफ तोर पर पता नहीं चला है कि वह किस मैच में नहीं खेलेंगे। रोहित ने बीसीसीआई से कहा है कि एक गंभीर व्यक्तिगत मामले के कारण उन्हें शुरुआत में दो टेस्ट मैचों में से एक को छोड़ना पड़ सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर सीरीज शुरू होने से पहले व्यक्तिगत मुद्दा सुलझ जाता है तो वह सभी पांच टेस्ट खेल सकते हैं। आने वाले दिनों में इस बारे में पूरी जानकारी दे देंगे।

टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे सचिन तेंदुलकर

ह्यूस्टन (अमेरिका)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे। यह क्रिकेट क्लीनिक डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है। तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है।' उन्होंने कहा, ''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।' राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी के महत्व के बारे में कहा, 'यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा है। सचिन जैसे व्यक्ति का इन युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देना बहुत मायने रखता है।' एनसीएल से कई दिग्गज क्रिकेटर जुड़े रहे हैं जिनमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ियों ने भी अपनी सेवाएं दी। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन हासिल है।

नेशंस लीग - रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जीत में फिर दागा गोल, पोलैंड पर 3-1 से दर्ज की जीत

बार्सिलोना (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकार्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई जबकि एक अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से हराया। रोनाल्डो ने 37वें मिनट में राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया।

इससे पहले बर्नार्डो सिल्वा ने 26वें मिनट में पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था। रोनाल्डो इस साल के शुरू में यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल की तरफ से पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे लेकिन नेशंस लीग में उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में वह गोल करने में सफल रहे। इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था।

पोलैंड की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर पियोत्र जिलिंस्की ने 78वें मिनट में किया लेकिन डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले आत्मघाती गोल करके पुर्तगाल की बड़ी जीत सुनिश्चित की। पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में 9 अंकों के साथ शीर्ष पर है। क्रोएशिया के छह अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। उसने जगरेब में खेले गए मैच में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया।

स्पेन ने नेशंस लीग के एक अन्य मैच में मार्टिन जुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से डेनमार्क को 1-0 से हराया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं। डेनमार्क छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। सर्बिया के चार अंक हैं। उसने एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड को 2-0 से पराजित किया लीग सी में कोसोवो ने लिथुआनिया को 2-1 से, जबकि रोमानिया ने साइप्रस को 3-0 से हराया।

एथलीट हिमा डोपिंग अरोपों से मुक्त हुईं

नई दिल्ली। एथलीट हिमा दास को डोपिंग मामले में राहत मिली है। डोपिंग रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ने हिमा को डोपिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया है। हिमा पर एक साल में तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण साल 2023 में डोपिंग के हिमा दास को नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल यानी एडीएपी से मंजूरी मिल गई है। अब हिमा सभी मुकाबलों में भाग लें सकेंगी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। वह जकार्ता में स्वर्ण और रजत जीतने वाली महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर और मिश्रित 4 गुण 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थीं। इस धाविका को इस वर्ष की शुरुआत में लगी चोट के कारण पिछले वर्ष हांग्जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) के नियमों के अनुसार, 12 महीनों के भीतर तीन बार ठहरने की जगह की जानकारी न देने पर आरोपी ठहराया गया था। नाडा नियमों के अनुसार पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल एथलीटों को अपने रात्रि विश्राम स्थान का पूरा पता, प्रत्येक स्थान का नाम और पूरा पता, जहां वे प्रशिक्षण, कार्य या अन्य नियमित अनुसूचित गतिविधियां करते हैं, तथा प्रत्येक गतिविधि की सामान्य समय-सीमा भी बतानी होती है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, बाबर-शाहीन सहित ये खिलाड़ी बाहर

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पूर्व कप्तान और मुख्य बल्लेबाज बाबर आजम को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर किया गया है। दूसरा मैच मंगलवार को मुल्तान में शुरू होगा। नई चयन समिति द्वारा की गई विस्तृत चर्चा के बाद पाकिस्तान के कुछ सबसे प्रसिद्ध खिलाड़ी कई बदलावों के साथ मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। तेज गेंदबाज नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी भी टीम से बाहर हैं। साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद भी टीम से बाहर हैं। लेग स्पिनर अबरार अहमद, जो पहले टेस्ट के दौरान बीमार हो गए थे और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया था, भी आईसीसी के अनुसार बाहर रहेंगे। शुक्रवार को पहले टेस्ट में पाकिस्तान की पारी से हार के तुरंत बाद नई चयन समिति द्वारा किए गए कई बदलावों में बाबर का नाम शामिल है। पाकिस्तान ने पहली पारी में 550 से अधिक रन बनाए थे। आईसीसी के हवाले से चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट के लिए टीम का चयन करना चयनकर्ताओं के लिए एक चुनौतीपूर्ण काम रहा है। हमें खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म, सीरीज में वापसी की जरूरत और पाकिस्तान के 2024-25 के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर ध्यान से विचार करना पड़ा है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए और पाकिस्तान क्रिकेट के साथ-साथ खिलाड़ियों के सर्वोत्तम हित में, हमने बाबर आजम, नसीम शाह, सरफराज अहमद और शाहीन शाह अफरीदी को आराम देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा, 'हमें विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से यह ब्रेक इन खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस, आत्मविश्वास और धैर्य हासिल करने में मदद करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए शीर्ष आकार में लौटेंगे। वे हमारी बेहतरीन प्रतिभाओं में से हैं और पाकिस्तान क्रिकेट में योगदान देने के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम इस अवधि के दौरान उनका समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं ताकि वे और भी मजबूत होकर वापसी कर सकें।' बाबर ने पहले मैच की दोनों पारियों में 30 और पांच रन बनाए, पहली पारी में क्रिस वोक्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए और दूसरी पारी में गस एटकिंसन की गेंद पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों कैच आउट हो गए। इस प्रारूप में उनका आखिरी 50+ स्कोर दिसंबर 2022 में आया था और अपनी पिछली 17 टेस्ट पारियों में उनका औसत सिर्फ 20.70 है। घरेलू धरती पर अपनी पिछली आठ पारियों में, जहां अन्य के लिए रन बने हैं, बाबर का औसत सिर्फ 18.75 है। पहले टेस्ट में इंग्लैंड पहली पारी में 550 से अधिक रन देने के बाद 200 से अधिक रनों की पहली पारी की बढ़त लेने वाली पहली टीम बन गई। इसके विपरीत पाकिस्तान पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बाद एक टेस्ट मैच पारी से हारने वाली पहली टीम बन गई जिसका श्रेय इंग्लैंड के 823/7 के स्कोर को जाता है, जो अब तक का चौथा सबसे बड़ा टेस्ट पारी का स्कोर है और 21वीं सदी में सबसे अधिक है।

नेपाल का सबसे अधिक रनों का विश्व रिकार्ड नहीं तोड़ पायी टीम इंडिया

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में जिस प्रकार की तूफानी बल्लेबाजी की उससे उसने कई रिकार्ड बनाये हालांकि वह सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय रनों के नेपाल के विश्व रिकार्ड को बना नहीं पायी। भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 297 रन बनाये। इस मैच में बांग्लादेश की टीम 7 विकेट पर 164 रन ही बना पाई। इस प्रकार भारतीय टीम ने 133 रन से मैच जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की/ किया. टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़ा स्कोर नेपाल ने साल 2023 में मंगोलिया के खिलाफ बनाया था। इस मैच में भारतीय टीम ने 3 विकेट पर 314 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। वहीं भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट पर 297 रन बनाए पर वह केवल 18 रन से विश्व रिकॉर्ड नहीं बना पायी।। भारतीय बल्लेबाजों ने इस मैच में 22 छक्के लगाए अगर वे 3 छक्के और लगा देते तो सबसे बड़े टी20 अंतरराष्ट्रीय का रिकॉर्ड उनके नाम होता। नेपाल की टीम सबसे अधिक स्कोर के मामले में पहले जबकि भारतीय टीम दूसरे नंबर पर है। वहीं अफगानिस्तान की टीम तीसरे नंबर पर फिसल गई है। साल 2019 में अफगान टीम ने आयरलैंड के खिलाफ इस टीम ने 3 विकेट पर 278 रन बनाए थे।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है, शतकीय पारी के बाद बोले संजू सैमसन

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।'

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।'

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।'

सैमसन ने कहा, 'इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था।' सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।'

सैमसन ने कहा, 'जब आप असफलताओं

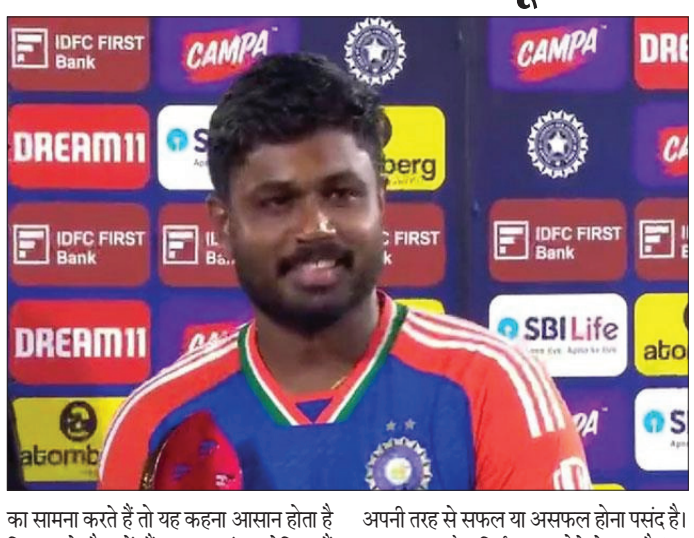

का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विंघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक़र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता है, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न-जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

जर्मनी में सेकंड वर्ल्ड वॉर का बम मिला, 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया, डिफ्यूज करने में आधा घंटा लगा

हैम्बर्ग । जर्मनी के हैम्बर्ग प्रांत में सेकंड वर्ल्ड वॉर के टाइम का बम मिला है। शनिवार को स्टर्नशांजे जिले में बम की सूचना मिलने के बाद 300 मीटर के दायरे में रहने वाले करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इसके अलावा पुलिस ने इलाके के रेस्तरां और बार भी बंद करा दिए थे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक एक प्राइमरी स्कूल के कंस्ट्रक्शन के दौरान ये मिला था। अधिकारियों ने बताया कि बम को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया है। इसे डिफ्यूज करने में करीब आधे घंटे का वक्त लगा था। बम मिलने की वजह से जिले में रेल सर्विस को भी रोकना पड़ा। जर्मनी में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बमों का मिलना आम बात है, जिन्हें बाद में डिफ्यूज कर दिया जाता है।

पिछले हफ्ते जापान में फटा था बम-

जापान के दक्षिणी हिस्से में मियाजाकी एयरपोर्ट पर 3 अक्टूबर को एक बम विस्फोट हुआ था। इस बम को अमेरिका ने सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान जापान पर गिराया था। हालांकि जब इसे गिराया गया, तब इसमें विस्फोट नहीं हो पाया था। इसकी वजह से ये दबा रहा। ये बम विस्फोट एयरपोर्ट के टेक्सी-वे की साइड में हुआ था। बम विस्फोट के बाद एयरपोर्ट पर उड़ानों को रद्द कर दिया गया था।

यमन के अल-हुतैब गांव में आज तक नहीं हुई बारिश

सना । यमन की राजधानी सना के पश्चिम में स्थित अल-हुतैब गांव में आज तक बारिश नहीं हुई है। यह खबर सुनकर आप को यकीन नहीं होगा लेकिन यह सच्चाई है। दरअसल यह गांव समुद्र तल से लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ है और यह एक ऐसा स्थान है जहां आज तक कभी बारिश नहीं हुई। अल-हुतैब का मौसम बेहद अनोखा है। रात और सुबह के समय यहां कड़ाके की ठंड होती है, जबकि दिन में तापमान बेहद गर्म रहता है। सुबह-सुबह यहां के लोग भारी रजाई में लिपटे रहते हैं, लेकिन जैसे ही सूरज निकलता है, गर्मी से हाल बेहाल हो जाता है। दिनभर पानी की तलब बनी रहती है। हालांकि, इस गांव के अनोखे मौसम के बावजूद, यह एक पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुका है। दुनिया भर के लोग यहां घूमने के लिए आते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि यह पहाड़ी पर बसा है। यहां से नीचे के दृश्यों को देखना अद्भुत लगता है, जिससे लोग स्वर्गीय अनुभव महसूस करते हैं। परंतु, क्या आपने सोचा है कि यहां बारिश क्यों नहीं होती? दरअसल, यह गांव एक ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जहां बादल कभी नहीं आते। पहाड़ी के नीचे बनने वाले बादल निचले इलाकों में बरसात करते हैं, जबकि अल-हुतैब पर बादल बनने का कोई मौका नहीं मिलता। यही कारण है कि यहां पर अब तक कोई वर्षा नहीं हुई है। इस गांव में अधिकांश लोग 'अल-बोहरा या अल-मुकरमा' समुदाय से जुड़े हैं, जो मुस्लिम धर्म को मानते हैं। यह समुदाय यमन या यमनी के रूप में भी जाना जाता है। इन लोगों के घर भी आकर्षक हैं और ग्रामीण एवं शहरी वास्तुकला का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। युवाओं के लिए यह गांव एक अनोखा अनुभव है। अल-हुतैब गांव की इस अनोखी विशेषता ने इसे एक विशेष पर्यटन स्थल बना दिया है, जहां लोग अपने जीवन में एक बार जरूर जाना चाहेंगे। दुनियाभर में कई अजीबोगरीब जगहें हैं, जो अपनी अनोखी विशेषताओं के लिए चर्चा में रहती हैं। इनमें से एक है यमन का यह गांव भी है।

57 साल बाद फेसबुक पर मिला शादी का खोया वीडियो

ब्रिस्बेन । जरा सोचिए, यदि किसी का शादी का वीडियो खो जाए, तो उसे दोबारा प्राप्त करना कितना कठिन हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया के एक कपल का खोया हुआ शादी का वीडियो 57 साल बाद पुन: प्राप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में रहने वाले एलीन टर्नबुल और उनके पति बिल की शादी 1967 में स्कॉटलैंड में हुई थी। शादी के तुरंत बाद उन्होंने एक प्रोजेक्टर उधार लिया था ताकि वे अपनी शादी का वीडियो देख सकें। दुर्भाग्यवश, नवविवाहित जोड़े ने प्रोजेक्टर में फिल्म को डालकर निकालना भूल गए और इसके बाद से उन्हें शादी का वीडियो दोबारा देखने को नहीं मिला। फिल्म रील का कोई पता नहीं चला, और उनका वीडियो गुम हो गया। किस्मत ने फिर से अपना खेल दिखाया। हाल ही में, 77 वर्षीय एलीन फेसबुक स्क्रॉल कर रही थीं, जब उनकी नजर एक ग्रुप पर पोस्ट की गई एक फोटो पर पड़ी। यह फोटो उनके ही शादी के वीडियो से ली गई थी। इसे देखकर वह हैरान रह गईं और तुरंत अपने पति को दिखाया, जो इसे देखकर चकित रह गए। यह फोटो स्कॉटलैंड के टेरी चैनी द्वारा पोस्ट की गई थी। दरअसल, टेरी उस व्यक्ति के भतीजे थे, जिन्होंने शादी के बाद कपल को प्रोजेक्टर उधार दिया था। टेरी ने अपने अंकल के घर से कई फिल्में पाई थीं, जिन्हें उन्होंने डीवीडी में ट्रांसफर किया और फेसबुक पर साझा करना शुरू किया। उनकी इस कोशिश का नतीजा यह निकला कि उन्होंने वीडियो का लिंक बनाकर कपल को भेजा, जिससे उनके जीवन का एक सपना सच हो गया। इस अद्भुत कहानी ने साबित कर दिया कि कभी-कभी किस्मत और तकनीक मिलकर अतीत के कुछ अनमोल पल फिर से जीने का मौका दे सकते हैं। मालूम हो कि आजकल शादी की तस्वीरें और वीडियोज लेना सामान्य बात हो गई है, लेकिन एक समय ऐसा था जब शादियों का वीडियो बनवाना बेहद दुर्लभ था। उस दौर में, अगर किसी की शादी का वीडियो होता, तो उसे अमीर और प्रगतिशील परिवार की पहचान समझा जाता था।

कनाडा में सरकार के 40 सांसद करेंगे खेला, गिर सकती है जस्टिन ट्रूडो की सरकार

मॉन्ट्रियल। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढऩे वाली हैं। कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन ट्रूडो पर पद छोडऩे का दबाव बना रहा है। स्थिति से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल के उपचुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है। इसके बाद असंतुष्ट सांसदों के बीच गुप्त बैठक शुरू हो गई, जिससे जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कम से कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। हालांकि अगर इतने सांसद खिलाफ जाते हैं तो भी ट्रूडो सरकार नहीं गिरेगी। कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के पास 153 सीटें हैं। टोरंटो सेंट में हार के बाद से कम से कम 20 नेताओं ने नेतृत्व में बदलाव के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। जून में उपचुनाव के बाद से लिबरल पार्टी के अंदर असंतोष पनप रहा है। यह अशांति मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और बढ़ गई। एशिया में हाल के शिखर सम्मेलन में ट्रूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ केटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को एकजुट होने और आगे बढऩे की रणनीति बनाने में मदद की।

श्रीलंका सरकार फिर कराएगी हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच, आदेश किए जारी

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने पुलिस को कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों की फिर से जांच करने का आदेश दिया है, जिसमें 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले और 2005 में एक तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल है। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने इन मामलों की फिर से जांच करने का वादा किया था, जिनका समाधान नहीं हो सका था। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने यह फैसला इसलिए किया है, ताकि जांच में किसी भी तरह की चूक की पहचान की जा सके। श्रीलंका मंत्रालय के कार्यवाहक पुलिस प्रमुख से कहा है कि इन मामलों की फिर जांच की जानी चाहिए। उनमें 2015 में सेंट्रल बैंक बॉण्ड जारी करने में कथित घोटाला शामिल है, जिसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तत्कालीन सरकार को दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले की भी जांच की जानी है, जिसमें 11 भारतीयों समेत 270 से ज्यादा लोगों की मौत् हो गई थी। आतंकवादी हमले का गवाह बना कैथोलिक चर्च इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करता रहा है। उसका आरोप है कि पिछली सरकारों ने राजनीति से प्रेरित होकर इस हमले पर पर्दा डाल दिया था। जिन अन्य मामलों की जांच की जानी है उनमें तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार डी. शिवराम की 2005 में हुई हत्या और उस समय पूर्वी विश्वविद्यालय के प्रमुख एक तमिल अल्पसंख्यक शिक्षाविद का 2006 में अपहरण किए जाने और लापता होने का मामला भी शामिल है।

जापान में लोग हिरोशिमा पीस मैमोरियल पार्क में एटम बम डोम को देखते हुए।

नेतन्याहू ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताया

येरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच मित्रता का समर्थक बताया। नेतन्याहू ने 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में इजराइल-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में रतन टाटा के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शनिवार को एक पोस्ट में लिखा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी। मैं और इजराइल के असंख्य लोग भारत के महान सपूत और दोनों देशों के बीच मित्रता के हिमायती रतन नवल टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी से रतन टाटा के शोकाकुल परिवार के प्रति उनकी संवेदना व्यक्त करने को कहा। उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, (शोकाकुल परिवार के प्रति) संवेदनाओं के साथ, बेंजामिन नेतन्याहू। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी गुरुवार को रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपने देश का सच्चा मित्र बताया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया था तथा नवाचार और विनिर्माण में उनके योगदान की प्रशंसा की थी तथा भारत एवं फ्रांस में उद्योगों को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया था।

ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा इजराइल

-ईरान ने अरब देशों से कहा- हम पलटवार करेंगे

तेलअवीव (एजेंसी)। ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। अमेरिका को शक है कि इसका बदला लेने के लिए इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल पलटवार में ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। हालांकि, ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक की आशंका भी जताई गई है।

वहीं, ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों को कहा है कि अगर इजराइल ने हमला किया तो वे जवाब जरूर देंगे। ईरान से तनातनी के बीच नेतन्याहू आज फिर से कैबिनेट की मीटिंग करेंगे। इसमें ये चर्चा की जाएगी कि ईरान के 1 अक्टूबर को किए गए हमले पर पलटवार कैसे करें। इससे पहले शुक्रवार को भी एक बैठक हुई थी। हालांकि, उसमें कोई फैसला नहीं हो पाया था।

इजराइली हमले में लेबनान के 13 लोगों की मौत

इजराइल ने शनिवार को लेबनान के 2 कस्बों पर हमले किए। इनमें एक बारजा बेरूत से 32 किलोमीटर दूर है, जहां ज्यादातर सुन्नी आबादी वाले लोग रहते हैं। इजराइल के हमले में यहां 4 लोग मारे गए। हिजबुल्लाह शियाओं का संगठन हैं इसके चलते लेबनान जंग में इजराइल ने अब तक शिया इलाकों को निशाना बनाया था। सुन्नी कस्बे पर हमला पहली बार हुआ है। वहीं, उत्तरी लेबनान के मायसरा में भी इजराइली हमले में 9 लोगों की मौत हुई है। दूसरी तरफ इजराइल ने दावा किया है हिजबुल्लाह ने शनिवार को उन पर 300 प्रोजेक्टाइल (छोटी मिसाइलें) दागी हैं।

इजराइल के खिलाफ ह के बयान पर सहमत भारत

यूएन और 40 देशों की अपील के बावजूद लेबनान में तैनात पीसकीपिंग फोर्स पर इजराइल के हमले जारी हैं। पिछले 2 दिनों में 5 सैनिक घायल हो चुके हैं। इस बीच ह में भारत ने कहा है कि हम पीसकीपिंग मिशन में सैनिकों के जरिए योगदान देने वाला एक अहम देश हैं। पीसकीपर्स की सुरक्षा सबसे अहम है, ह्रस्ट के प्रस्तावों के तहत इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भारत ने कहा-हम शांति के लिए लेबनान में सैनिक तैनात करने वाले 34 देशों के उस साझा बयान का समर्थन करते हैं, जिसमें सैनिकों की सुरक्षा की मांग की गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भी शनिवार को इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट से इस मुद्दे पर बात कर जल्द कोई समाधान निकालने की मांग की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के लिए फिट हैं कमला हैरिस

-मेडिकल रिकॉर्ड जारी किया, ट्रम्प को हेल्थ कार्ड सार्वजनिक करने का चैलेंज दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से 23 दिन पहले डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस अपना मेडिकल रिकॉर्ड जारी किया है। इसमें उन्हें पूरी तरह से फिट घोषित किया है।

कमला ने अपना फिटनेस रिकॉर्ड जारी कर रिपब्लिकन पार्टी के कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रम्प से भी मांग की है कि वे अपना हेल्थ रिकॉर्ड सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प ये नहीं चाहते कि अमेरिकी लोगों को ये पता चले कि वे राष्ट्रपति बनने के लिए फिट हैं या नहीं। इस पर ट्रम्प की टीम ने उनके मेडिकल रिकॉर्ड जारी किए बिना बयान जारी कर कहा कि ट्रम्प की सेहत बिल्कुल ठीक है। कमला में राष्ट्रपति बनने का स्टैमिना नहीं है।

कमला के परिवार में कोलोन कैंसर की हिस्ट्री

एकतरफ जहां व्हाइट हाउस ने उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रपति बनने के लिए फिट घोषित किया है। वहीं उनके डॉक्टर जोशुआ सिमोंस ने बताया है कि कमला हैरिस के परिवार में कोलोन कैंसर की हिस्ट्री रही है। उन्हें कुछ चीजों से एलर्जी भी है। इसके चलते वे लगातार कोलोनोस्कॉपी कराती रहती हैं और अपना ध्यान रखती हैं। कमला के मेडिकल रिकॉर्ड जारी होते ही उनकी टीम ने एक्स पर लिखा था- अब तुम्हारी बारी डोनाल्ड ट्रम्प। इससे पहले कमला ने एक रैली में ट्रम्प की मेंटल हेल्थ पर भी सवाल उठाए थे। कमला ने कहा था- वे कभी-कभी खो जाते हैं।

जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स... अलग-अलग ब्रीड के हिसाब से देना होता है टैक्स

जर्मनी (एजेंसी)। जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स देना होता है। इस टैक्स से जर्मनी को अच्छी कमाई होती है। भारतीय मुद्रा के हिसाब से 3866 करोड़ रुपए की कमाई। दरअसल जर्मनी में अलग अलग नगरपालिकाएं डॉग ओनर्स से टैक्स वसूलती हैं। जर्मनी में लोग खूब कुत्ते पालते हैं। हालांकि अलग अलग ब्रीड के कुत्तों पर लगाने वाले टैक्स की रकम भी अलग अलग होती है। ऑस्ट्रिया में भी कुत्ते के मालिकों को अपने पालतू जानवरों को रजिस्ट्रेशन कराना होता है। स्विट्जरलैंड में भी ये टैक्स होते हैं। नीदरलैंड में नगर पालिकाएं इसके लिए अलग-अलग टैक्स लगाती हैं। जो अलग शहर और नगरपालिकाओं के अनुसार होता है।भारत में भी इस तरह के टैक्स की अवधारण जनवरी 2023 में पेश की गई थी, जिसे हरकत में नहीं लाया जा सका।

जर्मनी में अगर आप कुत्ता पालना चाहते हैं, तब आपको किसी ब्रीडर के पास जाना होगा। कई लोग विदेश से भी कुत्ता गोद लेकर जर्मनी लाते हैं। इसके लिए काफी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती है। आप जहां रहते हैं, वहां की नगर पालिका एक सालाना टैक्स लेती है। यह टैक्स कुत्ता पालने पर लिया जाता है। हालांकि पालतू बिल्लियां इस टैक्स के दायरे में नहीं आतीं। टैक्स की रकम एक जैसी नहीं है। ये घर में कुत्तों की संख्या या कुत्ते की ब्रीड के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। यहां तक अगर डॉग के बच्चा हो रहा तब भी तीन महीने के भीतर उसका रजिस्ट्रेशन कराना होता है। आमतौर पर नगर पालिका के दफ्तर, या टाउन हॉल जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जाता है। कुछ शहरों और नगर पालिकाओं में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की भी सुविधा है। कुत्ते के गुम होने या उसकी मौत होने पर भी विभाग को सूचना देना जरूरी है। जरूरी नहीं कि टैक्स से मिली रकम खास पालतू जीवों से जुड़ी सर्विस में खर्च हो। इस नगर पालिका कई तरह के मद में, जैसे कि सामुदायिक सेवाओं पर खर्च कर सकती है।

कुत्तों की वॉक उनकी एक जरूरी दिनचर्या है। कुत्ता सुबह शाम बाहर घूमे बगैर नहीं मानता। मल भी कुत्ता बाहर ही करते हैं। लिहाजा जब सुबह शाम वहां वाक करने जाते हैं, तब सार्वजनिक स्थानों पर ही मल करते हैं। इस मल को डॉग ओनर को थैलियों में भरकर उनके लिए बने कूड़ेदानों में फेंकना होता है। जो जर्मनी में सड़क किनारे, नदियों के पास बने रास्तों पर या पार्कों में खास कूड़ेदान लगाए जाते हैं। नगर पालिका इससे संबंधित जो सफाई करती है, उसकी भरपाई टैक्स से करती है।

ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं, समान विचार वाले देशों का एक बहुराष्ट्रीय संगठन है: रुस

मास्को (एजेंसी)। रूसी विदेश मंत्रालय ने ने कहा कि ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं है, कभी नहीं रहा है और न ही बनने जा रहा है। ब्रिक्स एक अंतरराष्ट्रीय संगठन या एकीकरण संरचना भी नहीं है, बल्कि समान विचार वाले सदस्यों वाला एक बहुराष्ट्रीय संगठन है।

मीडिया रिपोर्ट में एक लेख (जिसमें सुझाव दिया गया था कि ब्रिक्स के विस्तार से नाटो को चिंतित होना चाहिए।) पर टिप्पणी करते हुए रुसी मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स एक बहु-विषयक रणनीतिक साझेदारी है, जो तीन स्तंभों राजनीति और सुरक्षा, अर्थशास्त्र एवं वित्त और संस्कृति एवं मानवीय संबंध पर टिका है। रिपोर्ट में रुसी मंत्रालय ने बयान में कहा कि ब्रिक्स भागीदारों के बीच संबंध समानता, आपसी सम्मान, खुलेपन, व्यावहारिकता, एकजुटता और सबसे महत्वपूर्ण बात किसी के विरोध न करने पर आधारित हैं। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का एक मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष और बहुपक्षीय विश्व आर्थिक प्रणाली बनाना है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही इस ब्लॉक ने अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान के आधार पर अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का विस्तार विश्व अर्थव्यवस्था में बदलावों को दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय मामलों में विकासशील राज्यों की भूमिका को मजबूत करने में योगदान देता है। ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 2006 में की गई थी। रूस ने 1 जनवरी, 2024 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। इस साल की शुरुआत रूस, ब्राज़ील, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब शामिल हो गए हैं। रूस की ब्रिक्स अध्यक्षता निष्पक्ष वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मज़बूत करने पर केंद्रित है।

बांग्लादेश सरकार सभी अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा करे: भारत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में ढाका के तांतीबाजार में पूजा मंडप पर हमले और जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना पर भारत ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों और देवी-देवताओं को अपवित्र करने की साजिश हो रही है। इन घटनाओं को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। भारत ने मांग की है कि बांग्लादेश सरकार सभी अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा करे। भारत के इन आरोपों के बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश को ऐसा देश बनाना चाहते हैं जहां सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की सुरक्षा हो। वहीं, बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से अल्पसंख्य समुदाय पर हमले की कई खबरें सामने आई हैं। दुर्गा पूजा के दौरान ही कई मंदिरों पर हमले और चोरी हुई हैं। पहली घटना ढाका के तांतीबाजार में शुक्रवार रात को एक शख्स ने दुर्गा पंडाल में बम फेंका। हालांकि बम फटा नहीं। पंडाल की सिक्योरिटी में लगे लोगों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो उसे बचाने कई लोग आ गए। इन्होंने आरोपी को बचाने के लिए चाकूबाजी शुरू कर दी। इसमें 5 लोग घायल हो गए। दूसरी घटना बांग्लादेश के जेशोरेश्वरी मंदिर से मां काली का मुकुट चोरी हो गया। यह सोने की परत चढ़ा चांदी का मुकुट है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया। पीएम मोदी 2021 में बांग्लादेश दौरे के दौरान जेशोरेश्वरी मंदिर दर्शन के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने यह मुकुट मंदिर में चढ़ाया था।

44 साल में पहली बार लेबनान छोड़ने की सोच रहे एलनगोवन.....अब शांति की उम्मीद नहीं

- बिजनेस बेचकर भारत वापस लौट जाऊं

बेरूत (एजेंसी)। 1989 में लेबनान में गृहयुद्ध हो रहा था। 2006 में इजराइल-लेबनान के बीच हुई जंग भी हमने देखी है, लेकिन इस बार का युद्ध अलग है। लगातार ब्लास्ट की आवाज आती है। 44 साल में मैंने कभी लेबनान छोड़ने के बारे में नहीं सोचा। अब सोच रहा हूं सब बेचकर इंडिया चला जाऊं।'एस. एलनगोवन बेरूत में रहते हैं। तमिलनाडु के चेन्नई से सब छोड़कर लेबनान आ बसे। सोचा था कि मिडिल ईस्ट के स्विट्जरलैंड जा रहा हूं, वहां कारोबार शुरू करूंगा। एलनगोवन ने शुरुआत में कुछ वक्त नौकरी की। फिर अपनी कंपनी बनाई। अब उनकी लॉन्जरी की फैक्ट्री है।

एलनगोवन की तरह लेबनान में करीब तीन हजार भारतीय हैं। इस जंग में ये लोग भी उसकी जद में आ गए। इनमें से कई अब भारत लौटने के बारे में सोच रहे हैं। फ्लाइट महंगी है, एयरस्पेस बंद है, इसलिए लेबनान में ही फंसे हैं। एलनगोवन बताते हैं, मैं 1980 में एक एजेंसी की मदद से लेबनान आया था। शुरुआती 2 साल बहुत अच्छे थे। तब बेरुत में इंटरनेशनल टूरिस्ट आते थे। अच्छा कारोबार होता था। लेबनान आकर लोग काफी पैसे खर्च करते थे। उस दौर में बहुत शांति थी।''मैंने यहीं शादी की। मेरी पत्नी श्रीलंकन तमिल हैं। हमारे तीन बच्चे हैं। बेटी एनजीओ में काम करती है। बेटा इंडिया चला गया है। वहां स्टॉक मार्केट का काम करता है।'

एलनगोवन बताते हैं, एक युद्ध से उबरने में 4-5 साल लगते हैं। हम अपना बिजनेस और जिंदगी दोबारा पटरी पर लाते हैं। फिर एक युद्ध हमारी पूरी मेहनत पर पानी फेर देता है। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। अब विकल्प देख रहा हूं कि कैसे फैक्ट्री और घर बेचकर यहां से निकल जाऊं। मुझे यहां शांति की कोई उम्मीद नहीं है। मैं इंडिया में चेन्नई या फिर पुडुचेरी में बसने के बारे में सोच रहा हूं। मुझे पता है कि ये युद्ध जल्दी खत्म नहीं होने वाला। मैं वे दिन नहीं देखना चाहता, जब सब बर्बाद हो जाए।' गोवन अपने बिजनेस के बारे में बताते हुए भावुक हो जाते हैं। कहते हैं, 'लेबनान की इकोनॉमी बर्बाद हो गई है। हर चीज महंगी है। बिजनेस करना पहले से मुश्किल है। मुझे बच्चों की जिंदगी और सुरक्षा की चिंता लगी रहती है। हमें कोई भी दिक्कत होती है, तब हम एम्बेसी से मदद लेते हैं।

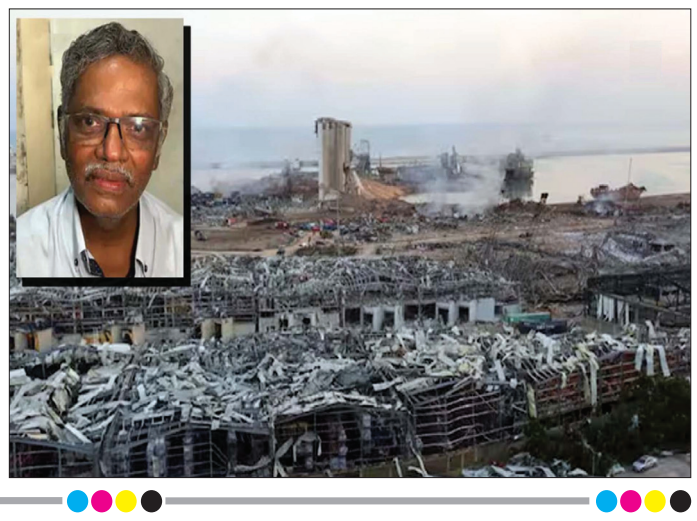

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रावण दहन करते समय हुआ बैकफायर, सांसद पप्पू यादव के पेट में घुसा रॉकेट

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में दशहरे पर रावण दहन के दौरान एक हादसा हो गया जिसमें पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव विजयादशमी पर रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। रावण दहन के लिए पप्पू यादव ने जैसे ही पटाखे में आग लगाई तो रॉकेट से बैकफायर हुआ और उनके पेट में घुस गया, जिससे पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। वह बाल-बाल बच गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ, लेकिन पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पप्पू यादव के हाथ में पटाखा जलता हुआ देखा जा सकता है। उनके साथ पुलिस अधिकारी भी पटाखे को हाथ में पकड़े हैं तभी अचानक वह रॉकेट से बैकफायर हो जाता है और पप्पू यादव के पेट पर जाकर लगता है और उनकी शर्ट में आग लग जाती है। इस दौरान लोग पप्पू यादव को बचाने की कोशिश करते हैं। उनकी आंखों को हाथों से ढंकते हैं। हालांकि पप्पू यादव उस पटाखे को छोड़ते नहीं हैं। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई हो रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त में 'महाप्रसाद' वितरित करने की योजना

भुवनेश्वर । ओडिशा सरकार पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में 'महाप्रसाद' श्रद्धालुओं को मुफ्त में वितरित करने की योजना बना रही है। राज्य के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने यह जानकारी दी। हरिचंदन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जल्द ही इस योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुफ्त में महाप्रसाद वितरित करने के फैसले को लागू करने पर सरकार को सालाना 14 से 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हरिचंदन ने कहा, ''हम आर्थिक रूप से संपन्न कुछ श्रद्धालुओं को इस योजना से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ पहले ही इस पहल में सहयोग को सहमत हो चुके हैं।'' मंत्री ने कहा कि इस पहल को पवित्र उड़िया महीने 'कार्तिक' के बाद लागू किये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, 'कार्तिक' माह के दौरान विशिष्ट अनुष्ठान करने वाली महिलाओं 'हबिसयाली' के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। हरिचंदन ने कहा, ''हमने सार्वजनिक दर्शन (जगन्नाथ मंदिर) को सुव्यवस्थित करने के लिए एक योजना बनानी शुरू की है। एक समर्पित प्रणाली स्थापित की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को 12वीं सदी के मंदिर में आने में कोई परेशानी न हो।

जयपुर में बिना ड्राइवर के सड़क पर दौड़ी जलती कार

- एमजी हेक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, बचने के लिए मची अफरा-तफरी

जयपुर । जयपुर में बिना ड्राइवर के आग से घिरी एमजी हेक्टर कार सड़क पर दौड़ी। कार ने बाइक को टक्कर मार दी। लोग अपनी गाड़ियों को बचाते नजर आए। आखिरकार कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। यह घटना एलिवेटेड रोड पर अजमेर से सोडाला की ओर उतरते समय की है। कार जितेंद्र जांगिड़ चला रहा था। जो मानसरोवर की पत्रकार कॉलोनी स्थित दिव्य दर्शन अपार्टमेंट में रहता है। जितेंद्र ने साल 2021 में कार खरीदी थी। जितेंद्र ने बताया कि करीब 1.45 बजे एलिवेटेड रोड से उतरने के दौरान एसी से धुआं उठने लगा था। भाई को कॉल किया तो उसने कार का बोनट खोलकर देखने के लिए कहा। कार से नीचे उतरकर बोनट खोलकर देखा तो आग लग रही थी। इस दौरान लोग इकट्ठा हो गए। मैंने ऑटोमैटिक कार को साइड में रोककर हैंड ब्रेक लगा दिया और मेटिंग हटाई। चारों खिड़कियां खोलकर नीचे उतरा तब तक बोनट से आग भभक उठी। आस-पास लोग इकट्ठा हो गए। इस बीच किसी ने फायर बिग्रेड को सूचना दे दी। आग से वायरिंग जलकर खाक हो गई, जिससे ऑटो हैंड ब्रेक फेल हो गए। कार का एक टायर भी फूट गया। लोगों ने कार की आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि आग तेजी से बढ़ गई। आग लगने से कार का हैंड ब्रेक खराब हो गया। ऐसे में कार एलिवेटेड रोड की ढलान पर चलने लगी। इसी दौरान कार के आगे एक बाइक खड़ी थी। उसे टक्कर मारते हुए कार आगे बढ़ गई। फायर ऑफिसर ने कहा कि कार में आग लगने की जानकारी मिलने पर 22 गोदाम से एक दमकल रवाना की गई। मौके पर देखा तो कार से आग की लपटें निकल रही थीं। आग को कंट्रोल किया तब तक कार पूरी तरह से खाक हो गई थी। कार में रखा हुआ सामान भी जल चुका था।

दिल्ली में 20 डिग्री से नीचे आया तापमान, गुलाबी ठंड ने दी दस्तक

नई दिल्ली। सफदरजंग की मानक वेधशाला में शनिवार को न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस महीने में यह पहली बार है, जब न्यूनतम पारा 20 डिग्री से नीचे आया है। दिल्ली के रिज क्षेत्र की सुबह सबसे ज्यादा ठंडी रही। यहां का तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है। कुल मिलाकर दिल्ली में सुबह और रात में अब हल्की ठंड का अहसास बढ़ने लगा है। केंद्र के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने भी जिलाधिकारियों को पराली जलाने से रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के एनसीआर क्षेत्रों के जिलाधिकारियों को कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार दिया है। सीएक्यूएम ने कहा कि 15 सितंबर से नौ अक्टूबर के बीच पराली जलाने की पंजाब में 267 और हरियाणा में 187 घटनाएं दर्ज की गईं। वहीं, दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर निर्माणाधीन कचरे के कारण वातावरण में धूल प्रदूषण फैल रहा है। इसको रोकने के लिए नगर निगम ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और एनजीटी के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ चालान काटने के लिए योजना बनाई है। साथ ही त्याहारों के संबंध में सफाई व्यवस्था के तहत स्वच्छता अभियान को भी निगम प्रशासन तेज करेगा।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने मुख्य सचिवों को लिखा पत्र

मदरसों को राज्य से मिलने वाला पैसा बंद करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सभी राज्यों के अलावा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में मांग की गई है कि सरकार मदरसा बोर्ड को दी जाने वाली फंडिंग पर रोक लगाए और इन सभी मदरसा बोर्ड को बंद कर दें। बाल आयोग ने कहा कि मदरसे में न तो बच्चों को बेसिक शिक्षा मिलती है और न ही उनको मिड डे मील की सुविधा का कोई फायदा होता है।

दरअसल, बाल आयोग की तरफ से कहा गया कि मदरसा बोर्ड आरटीई यानी शिक्षा के अधिकारी के कानून का पालन तक नहीं करते हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि मदरसों का पूरा फोकस केवल धार्मिक शिक्षा के पर ही रहता है, जिससे बच्चों को जरूरी शिक्षा नहीं मिल पाती है। बाल आयोग द्वारा उठाई गई मांगों में कहा गया कि मदरसों और मदरसा बोर्डों को राज्य की तरफ से दिए जाने वाले फंड को रोक दिया जाए। मदरसों से गैर-मुस्लिम बच्चों को हटाया जाए। संविधान के आर्टिकल 28 के मुताबिक, माता-पिता की सहमति के बिना किसी बच्चे को धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती। बाल आयोग ने कहा है कि एक संस्थान के अंदर धार्मिक और औपचारिक शिक्षा एक साथ नहीं दी जा सकती है।

बाल आयोग के पत्र पर बोली कांग्रेस

बाल आयोग की इस चिट्ठी को लेकर कांग्रेस ने कहा कि वह पत्र पढने के बाद टिप्पणी करेगी, लेकिन कर्नाटक में पार्टी के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बायोटेक, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री ने कहा कि आयोग को आदर्श रूप से उपाय सुझाने चाहिए, बजाय इसके कि राज्यों से मदरसों को वित्त पोषण बंद करने और बंद करने के लिए कहा जाए। उन्होंने कहा कि यह देखना बहुत विडंबनापूर्ण है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मदरसा शिक्षकों के वेतन को तीन गुना करने के फैसले के कुछ ही दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ है। वहीं इस मामले में एनडीए की साथी लोकजनशक्ति पार्टी के प्रवक्ता एके बाजपेयी ने कहा है कि अगर कोई मदरसा अवैध रूप से चलता पाया जाता है, तो उसे बंद कर देना चाहिए। लेकिन कोई भी काम आंख मूंदकर नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि एनसीपीसीआर ने राज्यों से कोई प्रतिकूल रिपोर्ट मिलने के बाद यह पत्र लिखा है या नहीं।

सर्वेक्षण की मांग

ऐ के बाजपयी ने कहा कि सभी मदरसों का उचित सर्वेक्षण होना चाहिए ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं कोई अनियमितता तो नहीं है। और अगर कोई अवैधता पाई जाती है तो उन्हें अपनी सफाई देने का पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा कि यह भी सिफारिश की गई है कि सभी गैर-मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकालकर आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। उन्होंने कहा है कि साथ ही, मुस्लिम समुदाय के बच्चे जो मदरसा में पढ़ रहे हैं, चाहे वे मान्यता प्राप्त हों या गैर-मान्यता प्राप्त, उन्हें औपचारिक स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए और आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार निर्धारित समय और पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जाए। इस मामले में बीजेपी की सहयोगी जेडीयू और टीडीपी ने इस मुद्दे पर कुछ बोलने से दूरी बनाई है।

भाईजान की फैमिली ने की दोस्तों और करीबियों से अपील, सलमान से ना मिलें

मुंबई। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बांद्रा में उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। वहीं सलमान खान के परिवार ने उनके इंडस्ट्री में मौजूद कई दोस्तों और करीबियों से अपील की है कि वह सलमान से ना मिलें। जानकारी के मुताबिक अपने बेहद करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी को खोने के बाद सलमान खान बहुत दुखी हैं। बाबा सिद्दीकी, सलमान खान के लिए सिर्फ दोस्त ही नहीं बल्कि परिवार के सदस्य जैसे थे। हाल ही में जब बाबा सिद्दीकी अपने बेटे जीशान के साथ सलमान खान से मिलने उनके घर पहुंचे थे, तो उनका बहुत प्यार से स्वागत किया गया था। सलमान भी एक सच्चे दोस्त की तरह इस दुखद घटना के बाद परिवार से मिलने पहुंचे। हालांकि, कल देर रात लीलावती अस्पताल से घर लौटने के बाद सलमान सो नहीं पाए और लगातार जीशान और परिवार का हालचाल पूछते रहे। बाबा सिद्दीकी परिवार के एक करीबी सूत्र ने बताया कि सलमान खान फोन पर अंतिम संस्कार की तैयारियों और हर छोटी-बड़ी जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने अगले कुछ दिनों के लिए अपनी सभी निजी मुलाकातें रद्द कर दी हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान के करीबी परिवार के सदस्य भी इस नुकसान से उतने ही दुखी हैं। अरबाज खान और सोहेल खान भी बाबा के बहुत करीब थे और बाबा के इन आयोजन में अक्सर जाया करते थे।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामला: आरोपियों पर हमला होने की आशंका, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपियों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरत रही है। पुलिस को संदेह है कि कोर्ट में आरोपियों पर हमला हो सकता है। इस आशंका के चलते पुलिस ने कोर्ट परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए ताकि किसी भी संभावित हमले से बचा जा सके।

बता दें कि मुंबई के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की उनके ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस घटनाक्रम के कुछ ही समय बाद दो शूटरों को गिरफ्तार कर लिया, जिनके नाम बलजीत सिंह और धर्मराज कश्यप हैं। तीसरे आरोपी अभी फरार है। जांच में ये भी सामने आया है कि शूटरों को इस हत्या का ठेका मिला था। दो शूटरों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस हरियाणा और यूपी पुलिस से संपर्क में है, ताकि इनकी पृष्ठभूमि और गैंग कनेक्शन का पता लगाया जा सके।

पुलिस को आशंका है कि गिरफ्तार आरोपियों पर अदालत में पेशी के दौरान हमला हो सकता है। इसी खतरे को देखते हुए मुंबई पुलिस ने अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

कोर्ट परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाई गई है, और हर आने-जाने वाले की सघन जांच की जा रही है।

मुंबई पुलिस के अलावा, हरियाणा और यूपी पुलिस भी इस केस में अपनी जांच कर रही हैं। हरियाणा पुलिस की एसटीएफ बलजीत सिंह के बारे में जानकारी जुटा रही है, जबकि यूपी पुलिस धर्मराज कश्यप के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में जुटी है। फरार तीसरे आरोपी की तलाश के लिए भी पुलिस छापेमारी कर रही है।

नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीरों की मौत का मामला, राहुल गांधी ने मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर फिर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में हाल ही में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीरों की मौत हो गयी थी। इस मामले के सामने आने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल पूछा कि एक सैनिक की जिंदगी दूसरे सैनिक की तुलना में अधिक मूल्यवान क्यों है? इसके अलावा उन्होंने यह भी सवाल किया कि 'अग्निवीर' के रूप में शहीद हुए दो सैनिकों के परिवारों को अन्य शहीद सैनिकों के समान पेंशन और लाभ क्यों नहीं मिलेंगे?

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने लिखा, 'नासिक में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीर गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित की मौत एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है,

जिनका जवाब देने में बीजेपी सरकार असफल रही है।'

इस पोस्ट में आगे गांधी ने मोदी सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो? अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा? जब दोनों ही सैनिकों की जिम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों?

राहुल ने कहा कि अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान है। उन्होंने पोस्ट में आगे कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को जवाब देना चाहिए कि क्यों एक सैनिक की जिंदगी दूसरे सैनिक से अधिक मूल्यवान है?

राहुल ने जनता से अपील की कि मिलकर इस अन्याय के खिलाफ खड़े हों। केंद्र सरकार की 'अग्निवीर' योजना को हटाने के लिए, देश के युवाओं और सेना के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमारे 'जय जवान' आंदोलन से आज ही जुड़ें! बता दें, नासिक जिले के आर्टिलरी सेंटर में परीक्षण के दौरान एक गोले के फट जाने से अग्निवीरों गोहिल और सैफत की मौत हो गई थी।

नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर - गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित - का निधन एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में बीजेपी सरकार असफल रही है।

भगवान राम का जीवन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है: ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। वह कोटा में 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेला को संबोधित कर रहे थे, जहां शनिवार शाम को विजया दशमी के अवसर पर रावण का 80 फुट ऊंचा पुतला फूंका गया। बिरला इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने कहा, ''भगवान राम ने आदर्श जीवन जीया और समाज के वंचित एवं गरीब वर्ग को अपने साथ लिया। उन्होंने अपने 14 साल के वनवास के दौरान उनके (वंचितों एवं गरीबों के) जीवन को बदलने के लिए काम किया और अंततः अहंकारी रावण को मार डाला।''

कोटा-बूंदी से सांसद बिरला ने कहा, ''भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।'' इस समारोह में रावण के भाई कुंभकर्ण और बेटे मेघनाद के 60 फुट ऊंचे पुतले भी हरित पटाखों का इस्तेमाल कर फूंके गए।

इस अवसर पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, महापौर राजीव भारती और कोटा दशहरा मेला समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी भी मौजूद रहे।

कर्नाटक के भाजपा सांसदों ने राज्य के लोगों को धोखा दिया: मुख्यमंत्री, सिद्धरमैया

मैसूर (कर्नाटक) (एजेंसी)। । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रदेश के भाजपा सांसदों पर केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी को लेकर हो रहे 'अन्याय' के खिलाफ आवाज नहीं उठाने के लिए निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने लोगों से राज्य के साथ हो रहे इस 'अन्याय' के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य को 6,498 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि उत्तर प्रदेश को 31,987 करोड़ रुपये मिले हैं, जो दोनों राज्यों की केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बीच बहुत बड़ा अंतर दर्शाता है।

उन्होंने कहा, ''लोगों को कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। केंद्र का समर्थन करने वाले भाजपा नेता राज्य के लोगों को धोखा दे रहे हैं, चाहे वह प्रह्लाद जोशी हों या कोई और।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक से बहुत से सांसद गये हैं। उन्हें अपनी आवाजी उठाने की जरूरत है, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि राज्य को पांच वर्षों में केंद्रीय करों में हिस्सेदारी में 60,000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। इस मामले में सरकार के अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धरमैया ने कहा कि वह अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे।

इस मुद्दे पर एक बयान में सिद्धरमैया ने सवाल उठाया, ''अपने खराब शासन के लिए बदनाम उत्तर प्रदेश को 31,962 करोड़ रुपये, बिहार को 17,921 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 13,987 करोड़ रुपये और राजस्थान को 10,737 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक के पसीने और मेहनत से उन राज्यों का विकास क्यों होना चाहिए जो कुशासन के कारण पिछड़ गए हैं।'' हुब्बली के अल्पसंख्यक समुदाय के दंगाइयों को क्षमादान देने के कैबिनेट के फैसले पर सिद्धरमैया ने कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई नेताओं को भी रिहा किया गया था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने बृहस्पतिवार को हुब्बली शहर में 16 अप्रैल 2022 को पुलिसकर्मियों पर पथराव करने वाली भीड़ के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला वापस लेने का फैसला किया।

प्रयागराज महाकुंभ में 71 दलित संत महामंडलेश्वर बनेंगे

-हिन्दुओं को बौद्ध, ईसाई बनने से रोकेंगे, मंदिर-मठ की जिम्मेदारी मिलेगी

लखनऊ (एजेंसी)। 2025 में प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी-एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी-अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है।

देश में 13 अखाड़ों को मान्यता

मान्यता प्राप्त 13 अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन 2016 में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है। फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है। ये तीनों संप्रदाय अलग-अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन-तीन अखाड़े हैं।

लोकतंत्र पर धब्बा, लद्दाख भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया, सोनम वांगचुक भड़के

- जिंदा नास्त्रेदमस की चौंकाने वाली भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को यहां लद्दाख भवन के बाहर केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में छह अक्टूबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे करीब 20 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को मंदिर मार्ग पुलिस थाना ले जाया गया है। पुलिस ने इससे पहले कहा था कि हिरासत में लिए गए लोगों में सोनम वांगचुक भी शामिल है लेकिन बाद में नयी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि हिरासत में लिए गए लोगों में जलवायु कार्यकर्ता शामिल नहीं हैं।

पुलिस उपायुक्त (नयी दिल्ली) देवेश महाला ने कहा, ''हमने कुछ छात्रों को लद्दाख भवन के बाहर से हिरासत में लिया है।सोनम वांगचुक उनमें शामिल नहीं हैं।'' इस बीच, वांगचुक ने एक वीडियो संदेश में कहा कि दिल्ली पुलिस ने उनके कई समर्थकों को हिरासत में ले लिया है।उन्होंने साथ ही सवाल किया कि बिना मंजूरी एक स्थान पर जमा होने से रोकने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 क्यों स्थायी रूप से नयी दिल्ली क्षेत्र में लागू है?

वांगचुक ने संदेश में कहा, ''कई लोग आज सुबह शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने आए थे। यह वास्तव में दुखी करने वाला है कि उन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह दुखी करने वाला है क्योंकि यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में हुआ है, हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी नहीं कर सकते।''

वांगचुक ने कहा, ''हमें बताया गया है कि धारा 163 लागू कर दी गई है... यह दुखद है कि लोकतंत्र की जननी पर पूरे साल इस तरह की पाबंदी लगी रहती है। यह धारा आमतौर पर अस्थायी तौर पर तभी लागू की जाती है जब कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका हो।'' उन्होंने कहा, ''यह हमारे लोकतंत्र पर एक धब्बा है और अदालतों को भी इसका संज्ञान लेना चाहिए...ऐसी धाराओं को स्थायी रूप से कैसे लागू किया जा सकता है?''

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता ने लोगों को हिरासत में लिए जाने का वीडियो अपने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर भी साझा किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के पास लद्दाख भवन के बाहर बैठने की अनुमति नहीं है। अधिकारी ने कहा, ''उन्होंने जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए अर्जी दी है। उनकी अर्जी पर विचार किया जा रहा है। उन्हें किसी और स्थान पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। हमने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है जिन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा।''

वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर अपने समर्थकों के साथ लेह से दिल्ली आए हैं। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर को राजधानी के सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया था और दो अक्टूबर की रात को रिहा किया था। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

इंदौर नगर निगम में

१५० करोड़ रुपए के ड्रेनेज घोटाले

ठेकेदारों ने अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से उन कामों के दस्तावेज और बिल तैयार कर पेमेंट ले लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मप्र–.इंदौर, नगर निगम में जो काम हुए ही नहीं, ठेकेदारों ने अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से उन कामों के दस्तावेज और बिल तैयार कर पेमेंट ले लिया। ऐसे एक नहीं, कई मामले हैं। ये भी साल २०२२ के पहले के हैं। मास्टरमाइंड इंजीनियर अभय राठौर (अभी जेल में है) ने नगर निगम में असिस्टेंट इंजीनियरों के नाम से फर्जी फाइलें बनाईं।फर्जी वर्क ऑर्डर हुए। एग्जीक्यूटिव और सुपरवाइजिंग इंजीनियरों के साइन हुए। अपर कमिश्नर के भी फर्जी साइन हुए। फिर बिल अकाउंट विभाग में लगाए गए और यहां भी फर्जी तरीके से ही पेमेंट हो गया। यह पूरा काम ठेकेदारों की मिलीभगत से हुआ था। उन्होंने ड्रेनेज के कामों को लेकर फर्जी बिल दिए थे,

यह घटनाक्रम तीन साल पहले यानि के २०२१ की है। मार्च यानी वो महीना,

जब हर सरकारी विभाग में पेमेंट का सेटलमेंट तेजी से होता है। इस दिन ऑडिट डिपार्टमेंट के संयुक्त संचालक (जॉइंट डायरेक्टर) अनिल कुमार गर्ग ने खुद के लिए एक आदेश जारी किया। उन्होंने खुद को निचले पद यानी उप संचालक ऑडिट (डिप्टी डायरेक्टर) के पद पर नियुक्त किया।लेटर में लिखा, 'अरुण शुक्ला इस पद से रिटायर हो गए हैं। इस पद पर मैंने खुद कार्यभार (आवासी संपरीक्षा के पर्यवेक्षण अधिकारी का चार्ज) संभाल लिया है।' सूत्रों का कहना है कि ऐसे बेनामी न जाने कितने बिल पास हुए। जिनका फिजिकल वैरिफिकेशन हुआ भी या नहीं ? इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है। न ही जिस काम के बदले बिल पास किए गए, उन्हें बाद में देख पाना संभव है।

३५ दिन में १ करोड़ के ५३ बिल पास हुए, लेकिन १ करोड़ से कम राशि के सैकड़ों बिलों को भी जोड़ा जाए, तो ये आंकड़ा १०० करोड़ रुपए से ज्यादा का हो जाएगा।

नगर पालिक निगम अधिनियम १९५६ के तहत स्थानीय निधि संपरीक्षा (रेजिडेंट ऑडिट) अधिनियम १९७३ के मुताबिक संभागीय संयुक्त संचालक भुगतान वाउचर्स की नोट शीट पर साइन नहीं कर सकते। जबकि, अनिल गर्ग ने ऐसी कई नोट शीट पर साइन किए हैं। जिसके चलते यह भष्टाचार सामने आया.